website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 14 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार 25 दिसम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

ट्रंप ने अचानक 30 राजनयिक क्यों बुलाए वापस, 'अमेरिका फर्स्ट' नीति में क्या बड़ा बदलाव होने जा रहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी दूसरी टर्म की शुरुआत में ही विदेश नीति के स्तर पर बड़ा और चौंकाने वाला फैसला लिया है। 'अमेरिका फर्स्ट' नीति को पूरी सख्ती से लागू करने के उद्देश्य से ट्रंप प्रशासन ने दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में तैनात करीब 30 सीनियर करियर डिप्लोमेट्स और राजदूतों को अचानक उनके पदों से वापस बुला लिया है। ये राजनयिक अधिकतर छोटे देशों में नियुक्त थे, जहां आमतौर पर अमेरिकी राजदूत विदेश सेवा के पेशेवर और गैर-राजनीतिक अधिकारी होते हैं। इस कदम को ट्रंप की विदेश नीति में बड़े बदलाव के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

जो बाइडन काल में हुई थीं नियुक्तियां

जिन राजनयिकों को वापस बुलाया गया है, उनकी नियुक्ति जो बाइडन प्रशासन के कार्यकाल में हुई थी। इन्हें अचानक फोन कॉल के जरिए सूचना दी गई कि वे 15–16 जनवरी 2025 तक अपने-अपने पद छोड़कर अमेरिका लौट आएं। हालांकि ट्रंप प्रशासन ने साफ किया है कि इन अधिकारियों को नौकरी से नहीं निकाला गया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने उन्हें वॉशिंगटन में विभाग के भीतर नई जिम्मेदारियां तलाशने की सलाह दी है। इसके बावजूद इतनी अचानक और बड़े पैमाने पर उठाया गया कदम असामान्य माना जा रहा है।

ट्रंप के फैसले से किन देशों पर पड़ा सबसे ज्यादा असर

इस फैसले का सबसे ज्यादा असर अफ्रीकी देशों पर देखने को मिला है। जानकारी के मुताबिक अफ्रीका के 13 से 15 देशों—जिनमें नाइजीरिया, सेनेगल, रवांडा, सोमालिया, मेडागास्कर और युगांडा शामिल हैं—से अमेरिकी राजदूतों को वापस बुलाया गया है। एशिया में फिजी, लाओस, मार्शल आइलैंड्स, पापुआ न्यू गिनी, फिलीपींस और वियतनाम प्रभावित हुए हैं। मध्य पूर्व में अल्जीरिया और मिस्र, दक्षिण एशिया में नेपाल और श्रीलंका, जबकि यूरोप में आर्मेनिया, नॉर्थ मैसेडोनिया,

मोंटेनेग्रो और स्लोवाकिया जैसे देशों पर भी इस फैसले का असर पड़ा है।

ट्रंप प्रशासन का पक्ष क्या है

ट्रंप प्रशासन इस पूरे मामले को सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया बता रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि राजदूत राष्ट्रपति के व्यक्तिगत प्रतिनिधि होते हैं और राष्ट्रपति को यह अधिकार है कि वे ऐसे लोगों को तैनात करें, जो 'अमेरिका फर्स्ट' एजेंडे को पूरी तरह लागू करने में सहयोग करें। प्रशासन का तर्क है कि पहले कार्यकाल में विदेश नीति को लेकर अंदरूनी विरोध का सामना करना पड़ा था। इस बार शुरुआत में ही ऐसे कदम उठाकर ट्रंप अपनी नीतियों को बिना रुकावट लागू करना चाहते हैं।

राजनयिकों को वापस बुलाना क्यों माना जा रहा है बड़ी बात

अमेरिकन फॉरेन सर्विस एसोसिएशन (AFSA) ने इस फैसले को बेहद असाधारण बताया है। संगठन का कहना है कि विदेश सेवा के 101 साल के इतिहास में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर करियर डिप्लोमेट्स को एक साथ वापस बुलाया गया है। AFSA की प्रवक्ता निक्की गेमर ने कहा कि बिना किसी स्पष्ट वजह के फोन कॉल के जरिए पद छोड़ने का आदेश देना सामान्य नहीं है। इससे कर्मचारियों का आत्मविश्वास गिरता है, कामकाज प्रभावित होता है और विदेशों में अमेरिका की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचता है।

अमेरिका की वैश्विक छवि कमजोर होने का खतरा

इस फैसले को लेकर अमेरिकी विपक्ष भी हमलावर है। सीनेट फॉरेन रिलेशंस कमिटी की रैंकिंग मेंबर डेमोक्रेट सीनेटर जीन शाहीन ने सोशल मीडिया पर कहा कि ट्रंप योग्य और ईमानदार राजदूतों को हटाकर अमेरिकी नेतृत्व को चीन और रूस के हाथों में सौंप रहे हैं। उनके मुताबिक इससे अमेरिका अंतरराष्ट्रीय मंच पर कमजोर और कम सुरक्षित दिखाई देगा। विपक्ष का यह भी कहना है कि पहले से ही 80 से ज्यादा राजदूत पद खाली हैं और अब अनुभवी करियर डिप्लोमेट्स को हटाने से हालात और बिगड़ेंगे। कुल मिलाकर, ट्रंप की दूसरी टर्म की शुरुआत में लिया गया यह फैसला साफ संकेत देता है कि अमेरिकी विदेश नीति अब पूरी तरह 'अमेरिका फर्स्ट' के ढांचे में ढलने जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे अमेरिकी दूतावासों में राजनीतिक वफादारी तो बढ़ेगी, लेकिन पारंपरिक कूटनीतिक अनुभव, निष्पक्षता और वैश्विक प्रभाव कमजोर पड़ने का खतरा भी उतना ही बड़ा है।

दिल्ली के लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराना, हमारी प्राथमिकता - रेखा गुप्ता

नई दिल्ली । दिल्ली के लोगों के बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के मकसद से दिल्ली की भाजपा सरकार युद्धस्तर पर कार्य कर रही है। अस्पतालों में मरीजों को किसी भी तरह से इलाज कराने में परेशानी न हो, इसका ख्याल स्वयं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता रख रही हैं, वह अस्पतालों के बारे में पल-पल की जानकारी ले रही हैं।

सीएम रेखा गुप्ता अस्पताल पहुंची जहां उन्होंने मरीजों का हाल-चाल लिये

इसी कड़ी में बुधवार को सीएम रेखा गुप्ता दिलशाद गार्डन स्थित राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल पहुंची जहां उन्होंने मरीजों का हाल-चाल लिया। सीएम रेखा गुप्ता ने एक्स पोस्ट में लिखा कि दिलशाद गार्डन स्थित राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में आए मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत कर उनकी जरूरतें जानी और इलाज व व्यवस्थाओं की स्थिति को उनके नजरिए से समझा। सीएम ने आगे लिखा कि साथ ही ओपीडी, वार्ड और इमरजेंसी में मरीजों की सुविधा, सफाई, समय पर इलाज तथा डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की उपलब्धता की समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि इलाज मंज देरी न हो और अस्पताल में आने वाला हर मरीज सम्मान, संवेदनशीलता और भरोसे के साथ देखभाल पाए। दिल्ली के हर परिवार को आसान, भरोसेमंद और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा मिले, यही हमारी प्राथमिकता है।

भाजपा अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती सेवा पखवाड़े के रूप में मना रही

दूसरी ओर, सीएम रेखा गुप्ता ने दिव्यांगों को ट्राई साइकिल और जरूरी सामान भी बांटे। इसे लेकर यूनाइटेड हिंदू फ्रंट के अध्यक्ष जय भगवान गोयल ने बातचीत की। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती सेवा पखवाड़े के तहत भाजपा मना रही हैं। वाजपेयी जी का संकल्प था कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को सुविधा का अभाव नहीं होना चाहिए। मां शक्ति फाउंडेशन की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सीएम रेखा गुप्ता ने दिव्यांगों से मुलाकात की

सीएम रेखा गुप्ता ने दिव्यांगों से मुलाकात की। 200 से अधिक जरूरतमंदों में ट्राई साइकिल वितरित किए गए। कार्यक्रम में ट्राई साइकिल मिलने के बाद एक बुजुर्ग ने कहा कि रेखा गुप्ता मिलीं, उन्होंने ट्राई साइकिल दी, हेलमेट दिया। बहुत अच्छा लग रहा है। दुलारी देवी ने कहा कि धन्यवाद देते हैं कि वह ऐसे ही दिल्ली में अच्छा कार्य करती रहें।

एलवीएम3-एम6:
इसरो के सफल लॉन्चिंग पर कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने दी बधाई

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बुधवार को एलवीएम3-एम6 रॉकेट के सफल प्रक्षेपण के साथ अंतरिक्ष क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की। इस मिशन के तहत ब्लू बर्ड ब्लॉक-2 सैटेलाइट को सफलतापूर्वक लो अर्थ ऑर्बिट में स्थापित किया गया। इस बड़ी सफलता पर देश के कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इसरो की टीम को बधाई दी और इसे भारत के लिए गर्व का क्षण बताया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे भारत के लिए गौरवपूर्ण पल करार दिया। उन्होंने कहा कि एलवीएम3-एम6 का सफल लॉन्च अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की बढ़ती वैश्विक स्थिति को दर्शाता है। योगी आदित्यनाथ ने इस उपलब्धि को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और निरंतर मार्गदर्शन का परिणाम बताया और कहा कि इसरो आने वाले समय में भी देश को प्रेरित करता रहेगा तथा भारत को एक भरोसेमंद अंतरिक्ष भागीदार के रूप में स्थापित करता रहेगा। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने इस मिशन को भारत की अंतरिक्ष यात्रा के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा कि 6+ टन वजनी ब्लू बर्ड ब्लॉक-2 कम्युनिकेशन सैटेलाइट का सफल प्रक्षेपण भारत की बढ़ती लॉन्च क्षमताओं का प्रमाण है। उन्होंने इसे भारतीय धरती से लॉन्च किया गया अब तक का सबसे भारी सैटेलाइट बताया और कहा कि यह उपलब्धि स्वदेशी इनोवेशन और आत्मनिर्भर भारत के विजन को मजबूती देती है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इसरो की सफलता को 'नए भारत' की वैज्ञानिक शक्ति का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि एलवीएम3-एम6 के माध्यम से ब्लू बर्ड ब्लॉक-2 का सफल प्रक्षेपण भारत की वैज्ञानिक क्षमता, तकनीकी कौशल और आत्मविश्वास को दुनिया के सामने प्रस्तुत करता है। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस सफल लॉन्च के साथ भारत

के अंतरिक्ष इतिहास में एक और सुनहरा अध्याय जुड़ गया है। उन्होंने इसरो की पूरी टीम के समर्पण, सटीकता और प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि भारत की बढ़ती तकनीकी आत्मनिर्भरता को दर्शाती है। उन्होंने यह भी कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में वैश्विक अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की उपस्थिति लगातार मजबूत हो रही है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने भी इसरो को बधाई देते हुए कहा कि एलवीएम3-एम6 द्वारा ब्लू बर्ड ब्लॉक-2 सैटेलाइट को कक्षा में स्थापित कर भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र में नया इतिहास रचा है। उन्होंने इसे भारत की प्रक्षेपण क्षमता और वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में बढ़ती भूमिका का प्रतीक बताया। कुल मिलाकर, एलवीएम3-एम6 की यह सफलता न केवल इसरो के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की मेहनत का परिणाम है, बल्कि यह भारत को अंतरिक्ष क्षेत्र में एक मजबूत, आत्मनिर्भर और विश्वसनीय शक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

चंडीगढ़ मेयर चुनाव से पहले AAP को झटका, दो पार्षद BJP में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंडीगढ़ नगर निगम में आम आदमी पार्टी (AAP) को बड़ा झटका लगा है। पार्टी की दो पार्षद सुमन देवी और पूनम देवी ने अपने पद से इस्तीफा देकर भारतीय जनता पार्टी (BJP) में शामिल होने का फैसला किया है। यह कदम जनवरी 2026 में होने वाले मेयर चुनाव से पहले AAP के लिए चिंता का सबब बन गया है।

नगर निगम में पार्षदों की वर्तमान संख्या

चंडीगढ़ नगर निगम में कुल 35 पार्षद हैं, वहीं एक वोट स्थानीय सांसद का भी होता है। अब तक निगम में बीजेपी के 16 पार्षद थे, जो इन दो नए शामिल पार्षदों के बाद बढ़कर 18 हो गए हैं।

वहीं, आम आदमी पार्टी के पार्षदों की संख्या घटकर 11 रह गई है। कांग्रेस के 6 पार्षद हैं, जबकि एक वोट कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी का है। इस बदलाव से निगम में राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल गया है।

नगर निगम में बहुमत के लिए कितने वोट जरूरी

नगर निगम में बहुमत पाने के लिए कुल 19 वोट आवश्यक हैं। जनवरी 2025 में हुए पिछले मेयर चुनाव में बीजेपी ने कम पार्षद होने के बावजूद जीत हासिल की थी। उस समय बीजेपी की उम्मीदवार हरप्रीत कौर बबला को 19 वोट मिले थे, जबकि AAP और कांग्रेस की साझा उम्मीदवार प्रेम लता को 17 वोट मिले थे। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि अब बीजेपी के लिए मेयर चुनाव में स्थिति और मजबूत हुई है। AAP के दो पार्षदों के बीजेपी में शामिल होने से पार्टी के लिए मैदान और कठिन हो गया है। नगर निगम में बहुमत की संख्या को देखते हुए, यह बदलाव आगामी चुनाव में निर्णायक साबित हो सकता है। चंडीगढ़ में राजनीतिक दलों की रणनीतियाँ और उम्मीदवारों की लोकप्रियता इस बार निर्णायक भूमिका निभाएंगी। AAP के लिए यह झटका उनके चुनावी अभियान और मतदाताओं को प्रभावित करने की क्षमता पर असर डाल सकता है। वहीं बीजेपी अब और मजबूत होकर मेयर पद के लिए अपनी दावेदारी को मजबूत स्थिति में पेश कर सकती है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पंचकूला में राष्ट्रीय सहकारी शिखर सम्मेलन को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली । कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड (केआरआईबीएचसीओ) बुधवार को हरियाणा के पंचकूला में "सहयोग के माध्यम से समृद्धि-सतत कृषि में सहकारी समितियों की भूमिका" विषय पर एक राष्ट्रीय सहकारी सम्मेलन का आयोजन करेगा। इसमें सतत कृषि को बढ़ावा देने, प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) की भूमिका का विस्तार करने, छोटे और सीमांत किसानों की आय स्थिरता सुनिश्चित करने और जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों के अनुरूप सहकारी-आधारित कृषि मॉडल को मजबूत करने के लिए नीति और कार्यान्वयन से संबंधित पहलुओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि होंगे। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की "सहयोग के माध्यम से समृद्धि" की दूरदर्शी अवधारणा को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी विशेष अतिथि के रूप में सम्मेलन में भाग लेंगे। इस अवसर पर, केंद्रीय मंत्री शाह भिवानी के सलेमपुर प्लांट में मिल्क कूलिंग सेंटर और रेवाड़ी के जटुसाना में हरियाणा

राज्य सहकारी आपूर्ति एवं विपणन संघ लिमिटेड (हैफेड) आटा मिल का ई-उद्घाटन करेंगे।

केंद्रीय मंत्री हरियाणा के सहकारी बैंकों के लाभार्थियों को रुपे प्लैटिनम डेबिट कार्ड भी वितरित करेंगे और इस अवसर पर हरियाणा कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड द्वारा स्थापित ए-पीएसीएस के अध्यक्षों को पंजीकरण प्रमाण पत्र भी वितरित करेंगे। वह अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के दौरान की जा रही विभिन्न गतिविधियों को प्रदर्शित करने वाले एक पोर्टल का भी उद्घाटन करेंगे। यह सम्मेलन सहकारी ढांचे के माध्यम से किसानों को उन्नत कृषि ज्ञान के आदान-प्रदान, किफायती ऋण की उपलब्धता, आधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाने और जैविक और जलवायु कृषि पद्धतियों को प्रदान करने पर विशेष जोर देगा। इस सम्मेलन में इस बात पर खास जोर दिया जाएगा कि कैसे सहकारी समितियों के जरिए किसानों तक खेती की नई जानकारी, सस्ता कर्ज और आधुनिक तकनीक पहुंचाई जाए। साथ ही, उन्हें जैविक खेती और बदलते मौसम के हिसाब से सुरक्षित खेती करने के तरीके सिखाने पर भी ध्यान दिया जाएगा। कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड ने पिछले कुछ वर्षों में उर्वरक आपूर्ति, कृषि सलाहकार सेवाओं और किसान-केंद्रित पहलों के माध्यम से देश भर के लाखों किसानों को लाभ पहुंचाया है। पंचकूला में आयोजित होने वाला यह राष्ट्रीय सम्मेलन अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष- 2025 के तहत सहकारी आंदोलन को एक नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

प्रधानमंत्री बन सकती हैं प्रियंका गांधी? वाड्रा के बयान से सियासी हलचल

नई दिल्ली । कांग्रेस की राजनीति में एक बार फिर नेतृत्व को लेकर चर्चा तेज हो गई है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद द्वारा प्रियंका गांधी को प्रधानमंत्री पद का चेहरा बनाने की मांग के बाद अब उनके पति रॉबर्ट वाड्रा का बयान सामने आया है। वाड्रा ने प्रियंका गांधी के राजनीतिक भविष्य को उज्ज्वल बताते हुए कहा है कि आने वाले समय में बहुत से लोग उन्हें देश की प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहेंगे। उनके इस बयान से कांग्रेस के भीतर और बाहर दोनों जगह सियासी हलचल बढ़ गई है, वहीं बीजेपी ने इसे राहुल गांधी से जोड़ते हुए हमला तेज कर दिया है।

प्रियंका गांधी का राजनीतिक भविष्य उज्ज्वल: रॉबर्ट वाड्रा

रॉबर्ट वाड्रा ने समाचार एजेंसी पीटीआई से बातचीत में प्रियंका गांधी की खुलकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी में नेतृत्व की पूरी क्षमता है और वह देश को सही दिशा में ले जाने की समझ रखती हैं। वाड्रा ने कहा, "प्रियंका का राजनीतिक भविष्य बेहद उज्ज्वल है। आने वाले समय में बहुत से लोग उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहेंगे। यह सिर्फ समय की बात है, ऐसा होकर रहेगा।" उनके इस बयान को कांग्रेस के भीतर नेतृत्व परिवर्तन की संभावनाओं से जोड़कर देखा जा रहा है।

जमीनी मुद्दों को समझती हैं प्रियंका: वाड्रा

वाड्रा ने कहा कि प्रियंका गांधी जमीनी मुद्दों को गहराई से समझती हैं और लोगों की राय को साथ लेकर चलने

में विश्वास रखती हैं। उन्होंने बताया, "प्रियंका सिर्फ अपनी बात नहीं रखतीं, बल्कि लोगों की बातें भी ध्यान से सुनती हैं। देश में जिस तरह के बदलाव की जरूरत है, उसे वह अच्छे से समझती हैं।" वाड्रा के मुताबिक, यही गुण उन्हें एक मजबूत नेता बनाता है और समय आने पर लोग इस नेतृत्व को स्वीकार करेंगे।

इमरान मसूद के बयान के बाद बढ़ी चर्चा

प्रियंका गांधी को प्रधानमंत्री पद का चेहरा बनाने की चर्चा कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के बयान के बाद तेज हुई। मसूद ने कहा था कि प्रियंका गांधी अपनी दादी इंदिरा गांधी की तरह एक मजबूत प्रधानमंत्री साबित हो सकती हैं। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के साथ हो रही घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा था कि प्रियंका गांधी ऐसे मामलों में सख्त और स्पष्ट फैसला लेने की क्षमता रखती हैं। मसूद के इस बयान को कांग्रेस के भीतर नए नेतृत्व के संकेत के तौर पर देखा गया।

उद्धव–राज ठाकरे के गठबंधन पर कांग्रेस की पहली प्रतिक्रिया, MNS को लेकर साफ किया रुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) प्रमुख राज ठाकरे ने आखिरकार सियासी गठबंधन का ऐलान कर दिया है। बुधवार, 24 दिसंबर को दोनों भाइयों ने 15 जनवरी 2026 को होने वाले बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव से पहले एक साथ आने की घोषणा की। इस फैसले से शिवसेना (यूबीटी) और MNS के कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। उद्धव ठाकरे जहां विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी (MVA) का हिस्सा हैं, वहीं इस गठबंधन में शामिल कांग्रेस की ओर से अब पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आई है।

कांग्रेस को नाराज़ होने का कोई कारण नहीं: विजय वड्डेटीवार

उद्धव-राज ठाकरे के गठबंधन पर कांग्रेस नेता और महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वड्डेटीवार ने कहा कि अगर मुंबई में दो भाई साथ आने का फैसला करते हैं तो कांग्रेस को इससे कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा, "जब एक ही परिवार एकजुट होकर चुनाव लड़ता है तो हमें नाराज़ होने का कोई कारण नहीं है। हम इस फैसले से खुश हैं।" हालांकि, उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि कांग्रेस का रुख MNS को लेकर अलग रहा है। वड्डेटीवार ने स्पष्ट शब्दों में कहा, "लेकिन यह याद रखना चाहिए कि कांग्रेस कभी भी MNS के साथ गठबंधन करने को तैयार नहीं रही है।"

निकाय चुनावों में कांग्रेस को ज्यादा सफलता: वड्डेटीवार का दावा

नागपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान विजय वड्डेटीवार ने हाल में हुए नगर निकाय चुनावों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हाल ही में संपन्न हुए म्यूनिसिपल काउंसिल चुनावों में महाविकास अघाड़ी के भीतर कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। वड्डेटीवार के मुताबिक, "यह बात अब साफ तौर पर दिखाई दे रही है। कांग्रेस ने इन चुनावों में बिना किसी गठबंधन के हिस्सा लिया और कुल वोट शेयर, मेयर उम्मीदवारों की संख्या और कॉर्पोरेटर सीटों के मामले में हमें शरद पवार गुट और उद्धव ठाकरे गुट—दोनों से ज्यादा सफलता मिली।"

कांग्रेस कार्यकर्ता स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ना चाहते हैं

वड्डेटीवार ने आगे कहा कि ये चुनावी नतीजे कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मानसिकता को दर्शाते हैं। उनके अनुसार, पार्टी के जमीनी कार्यकर्ता स्थानीय निकाय चुनावों में स्वतंत्र रूप से लड़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा, "अगर दो भाई साथ आने का फैसला करते हैं तो हम सच में खुश हैं। हम उन्हें बधाई देते हैं और आने वाले चुनावों में उनकी सफलता की ईमानदारी से कामना करते हैं।" साथ ही उन्होंने यह भी दोहराया कि कांग्रेस का रुख हमेशा शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार के साथ खड़े रहने का रहा है और आगे भी यही स्थिति बनी रहेगी।

महाराष्ट्र और मुंबई को लेकर गंभीर आरोप

कांग्रेस नेता विजय वड्डेटीवार ने इस मौके पर महाराष्ट्र की राजनीति और पहचान को लेकर भी बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा, "महाराष्ट्र के लिए मराठी लोग क्या फैसला लेते हैं, यह पूरी तरह उन पर निर्भर करता है। लेकिन यह भी सच है कि राज्य में मराठी भाषा और मराठी पहचान पर खतरा मंडरा रहा है।" उन्होंने आगे कहा कि भले ही वे कांग्रेसी हैं, लेकिन सच को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वड्डेटीवार ने आरोप लगाया कि मुंबई पर कब्जा करने और उसे गुजरात के कंट्रोल में लाने की एक सोची-समझी साजिश की जा रही है। कुल मिलाकर, उद्धव-राज ठाकरे के गठबंधन को लेकर कांग्रेस ने संतुलित रुख अपनाया है। जहां एक ओर कांग्रेस ने दोनों भाइयों के साथ आने पर खुशी जताई है, वहीं दूसरी ओर MNS के साथ सीधे गठबंधन की संभावना से साफ इनकार भी कर दिया है। आने वाले BMC चुनावों में यह नया सियासी समीकरण महाराष्ट्र की राजनीति को किस दिशा में ले जाएगा, इस पर सबकी नजरें टिकी हैं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

किसान हितों की रक्षा करते हुए आत्मविश्वास भरी भारत की ट्रेड-कूटनीति

ट्रेड और कूटनीति के मोर्चे पर हाल के वर्षों में भारत की सफलता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वैश्विक दबावों, बड़े देशों की आक्रामक व्यापारिक मांगों और घरेलू संवेदनशीलताओं के बीच संतुलन साधना किसी भी सरकार के लिए आसान नहीं होता। इसके बावजूद मोदी सरकार ने जिस तरह से अपने राष्ट्रीय हितों, खासकर किसान हितों को सर्वोपरि रखते हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) किए हैं, वह एक परिपक्व और आत्मविश्वासी नीति का संकेत देता है। अमेरिकी कृषि-उत्पादों के निर्यात को लेकर भारत की स्पष्ट 'ना' से भले ही डोनाल्ड ट्रम्प नाराज़ हुए हों, लेकिन भारत ने यह साफ कर दिया कि दबाव में आकर अपने किसानों की रोज़ी-रोटी से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड जैसे देशों के साथ भारत ने अपनी शर्तों पर एफटीए किए हैं। यह बात खास तौर पर इसलिए अहम है क्योंकि इन समझौतों में भारत ने कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को पूरी तरह सुरक्षित रखा है। न्यूजीलैंड के साथ महज नौ महीने में चली बातचीत में यह तय करवा लेना कि कृषि और डेयरी उत्पादों को डील से बाहर रखा जाएगा, अपने आप में एक बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि है। आम तौर पर ऐसे समझौतों में ताकतवर निर्यातक देश अपने मुख्य उत्पादों के लिए बाजार खोलने पर जोर देते हैं, लेकिन भारत ने साफ शब्दों में अपने हित तय किए और उन्हीं पर कायम रहा। भारत की चिंता बिल्कुल वाजिब है। देश के किसान और दुग्ध उत्पादक पहले से ही सीमित संसाधनों और अस्थिर आय के साथ संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में अगर किसी विकसित देश के सस्ते और सब्सिडी वाले कृषि या डेयरी उत्पाद भारतीय बाजार में प्रवेश कर जाते, तो घरेलू उत्पादकों के लिए टिके रहना मुश्किल हो जाता। यही वजह थी कि भारत ने पांच साल पहले एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 15 देशों वाले बड़े ट्रेड ब्लॉक आरईसीपी में शामिल होने से भी इनकार कर दिया था। उस समय भी सबसे बड़ा कारण यही था कि न्यूजीलैंड और अन्य देशों के सस्ते डेयरी व कृषि उत्पाद भारत में न आ जाएं। न्यूजीलैंड के कुल निर्यात का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा डेयरी उत्पादों का है। ऐसे में भारत जैसे विशाल बाजार तक पहुंच बनाना उसके लिए बेहद आकर्षक रहा होगा। सस्ता दूध, घी और मक्खन भारतीय बाजार में बेचने की उसकी दिलचस्पी स्वाभाविक थी। लेकिन भारतीय वार्ताकारों ने मजबूती से अपनी बात रखी और यह स्पष्ट किया कि कृषि और डेयरी पर कोई रियायत नहीं दी जाएगी। इसके बदले भारत ने उन क्षेत्रों में सहयोग और बाजार खोलने की पेशकश की, जहां उसे वास्तविक लाभ मिल सकता है। इन एफटीए का एक अहम पहलू यह भी है कि वे भारत के मैन्युफैक्चरिंग और श्रमिक-सघन क्षेत्रों के लिए नए मौके खोलते हैं। अगर हर साल भारत के करीब 5000 युवा इंजीनियर न्यूजीलैंड जैसे देशों में काम करने जाते हैं, या भारत को जरूरी कच्चे माल और तकनीकी उत्पाद आसानी से मिलते हैं, और बदले में भारत से इंजीनियरिंग सामान, टेक्सटाइल, लेदर और अन्य श्रमिक-आधारित उत्पाद शून्य टैरिफ पर इन देशों में जाते हैं, तो यह स्थिति सचमुच "दोनों हाथों में लड्डू" जैसी होगी। इससे रोजगार बढ़ेगा, निर्यात को गति मिलेगी और भारत की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भूमिका और मजबूत होगी। कुल मिलाकर, भारत की ट्रेड-कूटनीति अब रक्षात्मक नहीं, बल्कि आत्मविश्वास से भरी और हित-संतुलित दिखाई देती है।

'पठान' से अलग राह पर चलती 'धुरंधर': सियासत, राष्ट्रवाद और धर्म के तीखे मेल ने क्यों बढ़ाया विवाद

-प्रोपेगेंडा, इस्लामोफोबिया और राष्ट्रवादी नैरेटिव के आरोपों के बीच फिल्म बन गई सिनेमा से बड़ी बहस

यह अनुमान लगा लेना कि यह कॉलम पढ़ने वाला हर शख़्स 'पठान' और 'धुरंधर' दोनों फ़िल्में देख चुका होगा, शायद कल्पना की कुछ ज़्यादा ही ऊँची उड़ान होगी। लेकिन इतना मान लेना भी ग़लत नहीं होगा कि इन दोनों फ़िल्मों के नाम, उनके कंटेंट और उनसे जुड़े विवादों से अधिकांश लोग वाक़िफ़ ज़रूर हैं। ख़ासतौर पर 'धुरंधर' इन दिनों जिस तरह की बहसों के केंद्र में है, उसने इसे महज़ एक फ़िल्म न रहने देकर एक सियासी और वैचारिक विमर्श का हिस्सा बना दिया है। यह विवाद सिर्फ़ सोशल मीडिया तक सीमित नहीं है, बल्कि मुख्यधारा के मीडिया, अख़बारों के लेखों, टीवी डिबेट्स और बौद्धिक हलकों में भी तेज़ी से फैल चुका है। 'धुरंधर' को सरकार-प्रायोजित, प्रोपगेंडा से भरी और इस्लामोफ़ोबिया को बढ़ावा देने वाली फ़िल्म कहा जा रहा है। यही वजह है कि इसकी तुलना बार-बार 'पठान' से की जा रही है और कहा जा रहा है कि यह फ़िल्म 'पठान' से कहीं ज़्यादा विवादास्पद और समाज को ध्रुवीकृत करने वाली है। दिलचस्प बात यह है कि 'पठान' भी भारत-पाकिस्तान, आतंकवाद और खुफिया एजेंसियों की पृष्ठभूमि में बनी फ़िल्म थी, लेकिन उसके बावजूद वह अपेक्षाकृत कम विवादों में फँसी। इसकी सबसे बड़ी वजह यह थी कि 'पठान' ने सियासत, राष्ट्रवाद और धर्म जैसे संवेदनशील मुद्दों से एक सुरक्षित दूरी बनाए रखी। फिल्म की कहानी में भारत और पाकिस्तान की प्रतिद्वंद्वी खुफिया एजेंसियों के दो अच्छे किरदार, बड़े खतरे के सामने मानवता की रक्षा के लिए एक-दूसरे का हाथ थाम लेते हैं। इसमें राष्ट्रवाद का उग्र प्रदर्शन नहीं है और न ही किसी एक देश या धर्म को सीधे तौर पर खलनायक के रूप में पेश किया गया है। 'पठान' में शाहरुख़ ख़ान का किरदार अपने आप में काफ़ी अस्पष्ट है। उसकी पहचान, उसका अतीत और उसकी धार्मिक पृष्ठभूमि जानबूझकर धुँधली रखी गई है। उसकी परवरिश अफ़ग़ानिस्तान के एक ऐसे गाँव में हुई दिखाई जाती है, जिस पर अमेरिका बमबारी कर रहा है। उधर भारत एक ऐसे आतंकवादी खतरे का सामना कर रहा है, जिससे उसकी लगभग पूरी आबादी तबाह हो सकती है। इस परिदृश्य में एक भारतीय और एक पाकिस्तानी जासूस का साथ आना, दरअसल उस 'एलीट उदारवादी सोच' का प्रतीक बन जाता है, जिसमें राष्ट्रों की सीमाएँ, पहचान और इतिहास सब कुछ पीछे छूट जाता है और 'मानवता' सबसे ऊपर रखी जाती है। यहाँ तक कि फिल्म का खलनायक भी किसी धर्म या समुदाय का प्रतिनिधि नहीं बनता, बल्कि वह व्यक्तिगत बदले की आग में जलता हुआ एक व्यक्ति है। फिल्म में किसी धर्म के बारे में कड़वी बात नहीं कही जाती और आज तक दर्शक यह भी तय नहीं कर पाए हैं कि 'पठान' का असली नाम या धर्म क्या था। इसके उलट 'धुरंधर' बिल्कुल अलग राह पकड़ती है। यही वजह है कि इसे बॉलीवुड के इतिहास की सबसे राजनीतिक फिल्मों में गिना जा रहा है। यह फिल्म किसी तरह की वैचारिक झिझक या संतुलन साधने की कोशिश नहीं करती। इसके केंद्र में सियासत है, और वह सियासत भी बेहद स्पष्ट, आक्रामक और एक दिशा में जाती हुई। 'धुरंधर' की स्थायी थीम यह है कि पाकिस्तान की ओर से आने वाले आतंकवादी खतरे का जवाब देने के मामले में भारत का इतिहास दो हिस्सों में बँटा हुआ है—एक 2014 से पहले का भारत और दूसरा 2014 के बाद का भारत। फिल्म का एक प्रमुख किरदार सान्याल, जिसे कई लोग वास्तविक जीवन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल से जोड़कर देखते हैं, खुले शब्दों में कहता है कि "दुनिया में जहाँ कहीं भी आतंकवाद है, उसके पीछे पाकिस्तान का हाथ है।" यह संवाद अपने आप में फिल्म की सियासी दिशा तय कर देता है। 'धुरंधर' केवल एक जासूसी थ्रिलर नहीं है, बल्कि यह मोदी-डोभाल दौर की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का सिनेमाई महिमामंडन है। फिल्म यह स्थापित करने की कोशिश करती है कि पहले भारत आतंकवाद का शिकार होता था, सहता था, प्रतिक्रिया नहीं देता था, लेकिन अब भारत ने जवाब देना सीख लिया है। यह जवाब सिर्फ़ कूटनीतिक नहीं, बल्कि गुप्त अभियानों, सर्जिकल स्ट्राइक जैसी कार्रवाइयों और दुश्मन को उसी की भाषा में समझाने के रूप में दिखाया जाता है। चूँकि फिल्म की अगली कड़ी भी आने वाली है, इसलिए यह मान लेना मुश्किल नहीं कि यह कहानी आगे और ज़्यादा आक्रामक रूप लेगी। 'धुरंधर' में राष्ट्रवाद सबसे प्रबल प्रेरणा के रूप में उभरता है। यह राष्ट्रवाद इतना तीखा है कि फिल्म में उम्रकैद की सज़ा काट रहे या फाँसी का सामना कर रहे अपराधी भी पाकिस्तान में आईएसआई के लिए काम करने वाले गिरोहों को ट्रेनिंग देने और भारत में घुसपैठ कराने के लिए तैयार दिखते हैं। पाकिस्तान को एक स्थायी दुश्मन और भारत को एक भुक्तभोगी राष्ट्र के रूप में स्थापित किया जाता है। फर्क बस इतना बताया जाता है कि अब भारत ने भुक्तभोगी बने रहने से इनकार कर दिया है। यह राष्ट्रवादी नैरेटिव दर्शकों के एक बड़े वर्ग को रोमांचित और संतुष्ट कर सकता है, लेकिन साथ ही यह कई सवाल भी खड़े करता है। तीसरी और सबसे विवादास्पद कसौटी है धर्म। 'धुरंधर' इस मोर्चे पर किसी तरह का भ्रम नहीं छोड़ती। फिल्म में लगभग सभी हमलावर मुसलमान हैं, जो अपनी आस्था और मज़हबी पहचान से जुड़े हुए दिखाए गए हैं। वे अपने 'मुल्क' और 'दीन' के नाम पर हिंसा करते हैं। इसके उलट जिन लोगों को भुक्तभोगी या डरपोक दिखाया गया है, वे हिंदू हैं, और संकेत दिया जाता है कि मोदी दौर से पहले वे और भी ज़्यादा कायर थे। यह धार्मिक ध्रुवीकरण फिल्म की कहानी का अभिन्न हिस्सा बन जाता है, न कि महज़ एक संयोग। यही तीन बुनियादी फ़र्क—सियासत, राष्ट्रवाद और धर्म—'धुरंधर' को 'पठान' के मुक़ाबले कहीं ज़्यादा विवादास्पद बनाते हैं। अगर शाहरुख़ ख़ान की फ़िल्म ने रूढ़िवादियों और उदारवादियों, दोनों को ही अपनी-अपनी तरह से संतुष्ट या कम से कम चुप रहने की गुंजाइश दी थी, तो 'धुरंधर' ऐसा कोई रास्ता नहीं छोड़ती। राष्ट्रवादी तबका इसे भारत की मज़बूत छवि और निर्णायक नेतृत्व का उत्सव मान सकता है, जबकि उदारवादी वर्ग यह सवाल पूछने को मजबूर हो जाता है कि आखिर हमारे सिनेमा और हमारी सामूहिक सोच को क्या हो गया है। फिल्म के कुछ पहलू ऐसे भी हैं, जो इसकी राजनीति को और रहस्यमय बनाते हैं। उदाहरण के तौर पर, इसमें आईएसआई को हथियारों, विस्फोटकों और नेटवर्क के लिए कराची के कुख्यात ल्यारी इलाके के अंडरवर्ल्ड पर निर्भर दिखाया गया है। यह चित्रण कई जानकारों को खटकता है। अगर इतिहास पर नज़र डालें तो 1993 के मुंबई बम धमाकों के बाद पुलिस ने छापेमारी में 71 एके-47 राइफ़लें, 3.5 टन आरडीएक्स और करीब 500 हथगोले बरामद किए थे। उस वक़्त महाराष्ट्र पुलिस के पास एक भी एके-47 नहीं थी। पश्चिमी समुद्रतट पर नावों से भारी मात्रा में विस्फोटक पकड़े गए थे। यह सब तब हुआ था, जब तकनीक और निगरानी के साधन आज जितने विकसित नहीं थे। ऐसे में यह मान लेना कि आईएसआई जैसी दुनिया की सबसे ताक़तवर और संगठित खुफिया एजेंसियों में से एक को 26/11 जैसे हमले के लिए कराची के अंडरवर्ल्ड पर निर्भर रहना पड़ा होगा, अपने आप में सवाल पैदा करता है। हक़ीक़त यह है कि आईसी-814 अपहरण, संसद पर हमला और 26/11 जैसे बड़े आतंकी हमलों की साज़िशें न तो किसी गली-मोहल्ले के गैंगस्टर के अड्डे पर रची जाती हैं और न ही किसी बलूच नेता के ड्रॉइंग रूम में। ऐसी साज़िशें संगठित आतंकी नेटवर्क, जैश-ए-मोहम्मद या लश्कर-ए-तैयबा जैसे संगठनों के मुख्यालयों में, मदरसों और ट्रेनिंग कैंपों में तैयार होती हैं। यही वह बिंदु है, जहाँ 'धुरंधर' की राजनीति पर सवाल और गहरे हो जाते हैं। अगर फिल्म का मक़सद आतंकवाद की वास्तविक संरचना और उसके स्रोतों को दिखाना होता, तो उसे इतना संकेत भर देना ही काफ़ी था कि साज़िश जैश या लश्कर के मुख्यालय में रची जा रही है। लेकिन जब कहानी को बार-बार अंडरवर्ल्ड, मुसलमानों और मज़हबी पहचान से जोड़ा जाता है, तो यह शक पैदा होता है कि फिल्म का उद्देश्य सिर्फ़ थ्रिल पैदा करना नहीं, बल्कि एक ख़ास तरह की भावना को उभारना भी है। आख़िरकार 'धुरंधर' को लेकर बहस इसी सवाल पर आकर टिक जाती है कि क्या सिनेमा का काम सिर्फ़ मनोरंजन करना है, या वह समाज की सोच और राजनीति को आकार देने का भी औज़ार बन चुका है। 'धुरंधर' ने यह तो साफ़ कर दिया है कि वह किसी भी तरह की वैचारिक तटस्थता का दावा नहीं करती। यही वजह है कि यह फिल्म 'पठान' से कहीं ज़्यादा चर्चा में है, कहीं ज़्यादा विवाद में है और शायद आने वाले समय में भी उतनी ही तीखी बहसों का कारण बनी रहेगी।

डिजिटल जासूसी का बढ़ता खतरा और टेक कम्पनियों की जवाबदेही पर सवाल, निजता, लोकतंत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा संकट में

-स्मार्टफोन, ऐप्स और प्लेटफॉर्म नागरिकों के डेटा से कमाई करते हैं, पर कड़ी कार्रवाई से बचे रहते हैं

डिजिटल युग ने हमारे जीवन को जितना आसान किया है, उतना ही असुरक्षित भी बना दिया है। आज हमारी बातचीत, हमारी पसंद-नापसंद, हमारी यात्राएं, हमारी सेहत और यहां तक कि हमारे विचार भी डेटा बनकर कम्पनियों और एजेंसियों के हाथों में पहुंच रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि इस डिजिटल ताक-झांकी पर न तो वैसी राजनीतिक हलचल दिखती है, न वैसी सख्त कार्रवाई, जैसी कभी पारंपरिक जासूसी के मामलों में होती थी। एक समय था जब पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के घर में पुलिस जवानों की तैनाती और कथित जासूसी की खबर ने देश की राजनीति में भूचाल ला दिया था। संसद से लेकर सड़क तक सवाल उठे थे—निजता की सीमा कहां खत्म होती है और सत्ता की दखल कहां से शुरू होती है। लेकिन आज हालत यह है कि स्मार्टफोन, स्मार्ट टीवी, स्मार्ट स्पीकर और तरह-तरह के ऐप्स हमारी जिंदगी में हर वक्त झांक रहे हैं, सुन रहे हैं, रिकॉर्ड कर रहे हैं—फिर भी समाज और शासन, दोनों लगभग खामोश हैं। आज के दौर में जासूसी का तरीका बदल गया है। अब कोई छुपकर तार नहीं जोड़ता, न ही फोन लाइन पर क्लिप लगाया जाता है। जासूसी अब 'यूज़र एग्रीमेंट' और 'प्राइवेसी पॉलिसी' के नाम पर कानूनी शक्ल में हो रही है। सवाल यह है कि जब छोटे-मोटे मामलों में सरकारी गोपनीयता कानून और देशद्रोह तक की धाराएं लग जाती हैं, तब अरबों लोगों के डेटा से खेल रही टेक कम्पनियों पर कार्रवाई क्यों नहीं होती?

डिजिटल निजता: हर तरफ से खतरा

आज का आम नागरिक स्मार्टफोन के बिना जीवन की कल्पना नहीं कर सकता। लेकिन वही स्मार्टफोन हमारी निजता पर सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। मोबाइल फोन, ऐप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म हमारे बारे में इतना कुछ जानते हैं, जितना शायद हमारा परिवार भी नहीं जानता। हम किससे बात करते हैं, कितनी देर बात करते हैं, कहां जाते हैं, किस रास्ते से जाते हैं, क्या देखते हैं, क्या खरीदते हैं, किस विचारधारा के कंटेंट पर रुकते हैं—यह सब डेटा लगातार इकट्ठा किया जा रहा है। इस डेटा का इस्तेमाल केवल सुविधा देने के लिए नहीं, बल्कि मुनाफे, निगरानी, राजनीतिक प्रभाव और रणनीतिक उद्देश्यों के लिए भी किया जा रहा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस पूरी व्यवस्था पर न तो प्रभावी पारदर्शिता है, न कड़ी जवाबदेही।

स्मार्टफोन, एलेक्सा और 'हमेशा सुनती' दुनिया

आज घर-घर में वॉइस असिस्टेंट पहुंच चुके हैं। एलेक्सा, गूगल असिस्टेंट और सिरी जैसे सिस्टम दावा करते हैं कि वे केवल तभी सक्रिय होते हैं, जब उन्हें बुलाया जाता है। लेकिन कई रिपोर्ट्स और खुलासे यह बताते हैं कि ये डिवाइस हमारी बातचीत को सुनते ही नहीं, बल्कि रिकॉर्ड भी करते हैं। स्मार्टफोन कम्पनियां और मोबाइल ऐप्स यूज़र के डेटा को कानूनी और गैर-कानूनी, दोनों तरीकों से इकट्ठा करती हैं। अक्सर लंबी-लंबी प्राइवेसी पॉलिसी में ऐसी शर्तें छुपी होती हैं, जिन्हें आम यूज़र पढ़ता भी नहीं और बिना समझे 'एक्सेप्ट' कर लेता है।

इस डेटा में शामिल हैं— लोकेशन हिस्ट्री, कैमरा और माइक्रोफोन तक पहुंच, कॉल लॉग्स, कॉन्टैक्ट लिस्ट, फोटो और वीडियो, हेल्थ से जुड़ी जानकारियां, चैट्स और मैसेज, इन सूचनाओं के आधार पर यूज़र की विस्तृत प्रोफाइल बनाई जाती है। यह प्रोफाइल विज्ञापन, मार्केटिंग और यहां तक कि राजनीतिक प्रचार तक में इस्तेमाल होती है। सवाल यह है कि क्या किसी नागरिक की संपूर्ण डिजिटल पहचान को एक व्यापारिक वस्तु बना देना नैतिक और संवैधानिक है?

प्रिज्म: वैश्विक जासूसी की सच्चाई

एडवर्ड स्नोडेन के खुलासों ने पूरी दुनिया को हिला दिया था। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन प्रिज्म' के तहत फेसबुक, गूगल, एपल, माइक्रोसॉफ्ट, याहू और स्काइप जैसी दिग्गज कम्पनियों के जरिए करोड़ों-अरबों लोगों का डेटा गैर-कानूनी तरीके से इकट्ठा किया गया। भारत के संदर्भ में यह खुलासा और भी गंभीर था। कहा गया कि भारत से जुड़ी 6 अरब से ज्यादा सूचनाएं इस ऑपरेशन के तहत हासिल की गईं। यह सिर्फ व्यक्तियों की नहीं, बल्कि पूरे देश की डिजिटल प्रोफाइलिंग थी। हैरानी की बात यह है कि इतने बड़े खुलासे के बावजूद तत्कालीन यूपीए सरकार ने इन टेक कम्पनियों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। बाद में एनडीए सरकार ने चीनी ऐप्स पर प्रतिबंध जरूर लगाया, लेकिन पश्चिमी टेक कम्पनियों की भूमिका पर वही नरमी बनी रही। ऑनलाइन गेमिंग, डिजिटल लोन और फाइनेंशियल सर्विसेज़ की आड़ में चल रहे कई ऐप्स आज भी यूज़र्स का संवेदनशील डेटा चूस रहे हैं। इन पर प्रभावी निगरानी और कार्रवाई का अभाव साफ नजर आता है।

गूगल अर्थ, सैटेलाइट और राष्ट्रीय सुरक्षा

26/11 मुंबई आतंकी हमलों के दौरान पकड़े गए आतंकी अजमल कसाब ने स्वीकार किया था कि हमले की साजिश गूगल अर्थ की मदद से रची गई थी। इसके बावजूद भारत में इस विषय पर बहुत सीमित कदम उठाए गए। अमेरिका, चीन और कई अन्य देश अपने परमाणु ठिकानों, सैन्य अड्डों और संवेदनशील इमारतों के 3-डी व्यू दिखाने पर सख्त प्रतिबंध लगाते हैं। भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, इसरो और भारतीय सेना ने बार-बार चेतावनी दी कि 3-डी मैपिंग और हाई-रेज़ोल्यूशन इमेजरी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। फिर भी गूगल अर्थ पर आज भी कई संवेदनशील ठिकानों को देखा जा सकता है। अब अगर एलन मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट कम्पनी को भारत में व्यापक अनुमति दी जाती है, तो खासकर म्यांमार, चीन और पाकिस्तान से लगी सीमाओं पर जासूसी का खतरा और बढ़ सकता है। यह सवाल बेहद गंभीर है—क्या तकनीकी सुविधा के नाम पर हम अपनी सुरक्षा से समझौता कर रहे हैं?

फेसबुक, वॉट्सएप और डेटा की राजनीति

मेटा के तीन बड़े प्लेटफॉर्म—फेसबुक, वॉट्सएप और इंस्टाग्राम—आज डेटा माइनिंग के सबसे बड़े खिलाड़ी हैं। ये प्लेटफॉर्म न सिर्फ डेटा शेयर करते हैं, बल्कि उसका व्यावसायिक इस्तेमाल भी करते हैं। कैम्ब्रिज एनालिटिका कांड में यह सामने आया कि भारतीयों के डेटा का इस्तेमाल चुनावों को प्रभावित करने के लिए किया गया। यह लोकतंत्र पर सीधा हमला था। इसी तरह कैलिफोर्निया की अदालत में दायर एक मुकदमे में आरोप लगा कि इजराइली स्पाइवेयर 'पेगासस' के जरिए वॉट्सएप को हैक कर जासूसी की गई। भारत में इस मामले ने खूब चर्चा बटोरी और सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप से एक जांच समिति भी बनी। लेकिन सवाल यह है कि उस जांच के बाद क्या हुआ? क्या टेक और टेलीकॉम कम्पनियों पर कोई निर्णायक कार्रवाई हुई? जवाब है—नहीं। जासूसी के औजार तो बदलते जा रहे हैं, लेकिन जवाबदेही की कमी जस की तस बनी हुई है।

बंद सपनों को खोलने की जिद

-बेबी राठौड़

वैसे तो पूरे राजस्थान का अपना एक इतिहास है। लेकिन इसके कुछ ग्रामीण क्षेत्र ऐसे भी हैं, जहां एक नया इतिहास लिखने की तैयारी है। ये इतिहास खुद गाँव की किशोरियों द्वारा रचा जा रहा है। इस राज्य के बीकानेर जिला स्थित लूंकरणसर ब्लॉक का जाखड़वाला ऐसा ही एक गाँव है। यहां की किशोरियों की कहानी किसी एक लड़की की नहीं, बल्कि उस सामाजिक सच्चाई की तस्वीर है, जो आज भी देश के कई हिस्सों में चुपचाप ज़िंदा है। आधुनिक समय में जब शिक्षा को प्रगति, समझ और आत्मनिर्भरता की बुनियाद माना जाता है, ऐसे समय में इस गाँव में यह अब भी एक सीमित सुविधा की तरह देखी जाती है। यहाँ शिक्षा केवल अक्षर ज्ञान नहीं, बल्कि सोचने और सवाल करने की शक्ति से जुड़ी है, और यही शक्ति सबसे पहले लड़कियों से छीनी जाती है। इस गाँव में यह आम धारणा है कि पढ़ाई और आगे बढ़ने का अधिकार मुख्य रूप से लड़कों का है। लड़कियों को घर की जिम्मेदारियों के लिए तैयार किया जाता है, जैसे उनका जीवन पहले से तय हो।

बचपन से ही उन्हें सिखाया जाता है कि ज्यादा बोलना ठीक नहीं, बाहर जाना खतरे से भरा है और उनके सपने का पूरा होना मुमकिन नहीं। परिवार और समाज दोनों मिलकर लड़कियों के चारों ओर रीति रिवाज के नाम पर एक अदृश्य दीवार खड़ी कर देते हैं, जिसके भीतर रहना ही उनके लिए सुरक्षित माना जाता है। गाँव में सिर्फ एक छोटा सा स्कूल है, जहाँ पाँचवीं कक्षा तक पढ़ाई होती है। इसके बाद आगे पढ़ने के लिए दूसरे गाँव जाना पड़ता है। लड़कों को यह मौका तो बहुत आसानी से मिल जाता है, चाहे उन्हें पढ़ने का शौक हो या न हो। लेकिन शौक और काबलियत के बावजूद लड़कियों के लिए यह रास्ता लगभग बंद हो जाता है। कुछ परिवारों में अगर 2 या 3 साल किसी लड़की को दूसरे गाँव पढ़ने के लिए भेज भी दिया जाता है तो वह भी उसे अकेले नहीं, बल्कि पिता या भाई के साथ। इसके बाद भी उसके हर कदम पर शक, डर और बंदिशें बनी रहती हैं। यहां लड़कों और लड़कियों की ज़िंदगी में फर्क बहुत साफ़ दिखाई देता है। लड़कों को बाहर जाने, मनपसंद कपड़े पहनने, दोस्तों से मिलने और अपनी पसंद का खाना खाने की आजादी होती है।

वे पढ़ाई छोड़ दें तो भी कोई बड़ा सवाल नहीं उठता। कोई खेतों में काम करने लगता है, कोई मजदूरी करता है, कोई बेरोजगार बैठा रहता है, लेकिन समाज उन्हें स्वीकार करता है। वहीं लड़कियों से उम्मीद की जाती है कि वे चुपचाप हर नियम मानें और घर की इज्जत का बोझ अपने कंधों पर ढोती रहें। लड़कियों की पढ़ाई अक्सर उम्र के साथ खत्म मान ली जाती है। जैसे ही वे थोड़ी बड़ी होती हैं, स्कूल छुड़वा दिया जाता है। इसके पीछे यह संकीर्ण मानसिकता हावी है कि ज़्यादा पढ़ने से लड़कियां बिगड़ जाएँगी, सवाल पूछने लगेंगी या अपनी ज़िंदगी खुद चुनना चाहेंगी। इसीलिए कपड़ों से लेकर बालों तक, उनकी हर चीज़ पर नियंत्रण रखा जाता है। सलवार-सूट के अलावा अन्य ड्रेस पहनना गलत माना जाता है, बाल खुले हों तो फैशन का ठप्पा लगा दिया जाता है और किसी से बात कर लें तो शादी का डर दिखाया जाता है। सबसे पीड़ादायक स्थिति तब होती है, जब छोटी-छोटी बच्चियों को भी डर के माहौल में पाला जाता है। स्कूल जाते समय उनसे यह नहीं कहा जाता कि सावधानी से जाना और किसी भी परिस्थिति का डटकर मुकाबला करना, बल्कि यह चेतावनी दी जाती है कि अगर कुछ हुआ तो स्कूल जाना बंद कर दिया जाएगा। गलती किसकी है, यह जानने की कोशिश ही नहीं की जाती है। इस डर के कारण लड़कियाँ न सिर्फ़ बोलना छोड़ देती हैं, बल्कि खुद को दोषी मानने लगती हैं। इसका उदाहरण मैं स्वयं हूँ। मैं अपने गाँव की पहली लड़की हूँ, जिसने इन दीवारों के बाहर निकलने की कोशिश की। पढ़ाई जारी रखने और आगे बढ़ने का सपना देखना आसान नहीं था। ताने, रोक-टोक और सामाजिक दबाव हर कदम पर सामने खड़े थे। कई बार लगा कि शायद यही मेरी सीमा है। एक समय ऐसा भी आया जब समाज के दबाव में मेरी पढ़ाई छुड़वा दी गई। जिससे मैं पूरी तरह टूट गई। महीनों तक घर में बैठकर रोना, खुद से सवाल करना और भविष्य को लेकर डर, यह सब मेरी ज़िंदगी का हिस्सा बन गया था। लेकिन फिर भी मैं हिम्मत नहीं हारी। लूणकरणसर स्थित उरमूल सेंटर से जुड़ी एक मैडम ने मेरी बात सुनी और मुझे यह एहसास दिलाया कि हर घटना ज़िंदगी का अंत नहीं होती, बल्कि एक सीख भी हो सकती है। धीरे-धीरे मैंने खुद को संभालना शुरू किया और फिर से पढ़ाई की बात घरवालों के सामने रखी। खूब विरोध हुआ, मना किया गया, लेकिन मन ने हार मानने से इनकार कर दिया। इस विरोध के बीच पिता का साथ मिला जो मेरे लिए सहारा बना। 11वीं में दाखिला मिलना आसान नहीं था, डर हमेशा बना रहता था कि अगर कोई शिकायत हुई तो स्कूल छुड़वा दिया जाएगा। फिर भी हर दिन यह सोचकर आगे बढ़ती रही कि अगर मैं रुक गई, तो मेरे बाद आने वाली लड़कियों के लिए रास्ता और मुश्किल हो जाएगा। आज मेरा सपना अपने पैरों पर खड़ा होने और सफलता के शिखर को छूने का है। यह सपना सिर्फ़ मेरी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा नहीं, बल्कि उस व्यवस्था को समझने और बदलने की चाह है, जो लड़कियों को बराबरी का इंसान नहीं मानती। मैं चाहती हूँ कि मेरे गाँव की हर लड़की पढ़े, सवाल पूछे और अपने फैसले खुद ले। उसके सपने बंद दरवाजों के पीछे दम न तोड़ दे बल्कि उसे पूरा होने का अवसर मिले। जब तक शिक्षा को लड़का और लड़की में बाँटकर देखा जाएगा, केवल लड़की होने के आधार पर उससे अवसर छीन लिए जाएंगे, उस वक्त तक समाज का विकास अधूरा रहेगा। ज़रूरत है लड़कियों के प्रति समाज को अपनी सोच बदलने की और गाँव के माहौल को उनके लिए सुरक्षित बनाने की। यह एक बंद किये जा रहे सपनों को खोलने की जिद है। अगर कठिन परिस्थिति में भी मैं आगे बढ़ सकती हूँ, तो गाँव की हर लड़की आगे बढ़ सकती है। दरअसल सपनों को कैद में नहीं, खुले आसमान में साँस लेने का हक़ मिलना चाहिए,

(यह लेखिका के निजी विचार हैं)

"प्रदेश को फिल्मांकन का प्रमुख केंद्र बनाने की नई पहल" - भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार ने राज्य को राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय फिल्मांकन का पसंदीदा गंतव्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रस्तावित राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति 2025 जारी की है। नीति में सब्सिडी/प्रोत्साहन एवं ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के व्यापक प्रावधान शामिल किए गए हैं जिससे यह नीति अन्य राज्यों की तुलना में फिल्म निर्माताओं के लिए आकर्षक होगी। राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति 2025 जारी करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर, मरुस्थलीय भू-भाग, ऐतिहासिक किले, महल और विविध प्राकृतिक लोकेशन्स विश्वस्तरीय हैं। नई फिल्म पर्यटन नीति राज्य को फिल्मिंग हब के रूप में स्थापित करेगी और युवाओं के लिए रोजगार तथा कौशल विकास के नए अवसर खोलेगी। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बताया की फिल्म निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए न केवल सब्सिडी दी जाएगी, अपितु प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाकर नीति का सुगम क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जायेगा।

फिल्म व्यय पर 30% तक सब्सिडी:-

राजस्थान में फीचर फिल्म, वेब सीरीज, टीवी सीरियल और डॉक्यूमेंट्री की शूटिंग पर किए व्यय का अधिकतम 30% तक सब्सिडी देने का प्रावधान है। अधिकतम सब्सिडी सीमा फीचर फिल्म ₹३ करोड़, वेब सीरीज ₹2 करोड़, टीवी सीरियल ₹1.5 करोड़ और डॉक्यूमेंट्री ₹2 करोड़ निर्धारित की गई है।

न्यूनतम व्यय सीमा:-

सब्सिडी प्राप्त करने के लिए राज्य में न्यूनतम व्यय फीचर फिल्म हेतु ₹2 करोड़, जबकि वेब सीरीज, टीवी सीरियल और राजस्थानी भाषा की फिल्मों हेतु ₹1 करोड़ अनिवार्य होगा।

सब्सिडी प्राप्त करने हेतु निम्न प्रावधान हैं:

1. लोकेशन स्क्रीन-टाइम आधारित प्रोत्साहन
राजस्थान की लोकेशन्स को 5-15%, 16-30% और 30% से अधिक स्क्रीन-टाइम देने पर क्रमशः 10%, 20% और 30% सब्सिडी मिलेगी।
2. 50% शूटिंग-दिवस राजस्थान में करने पर
फीचर फिल्म के 50% शूटिंग-दिवस राजस्थान में करने और न्यूनतम व्यय सीमा पूरी करने पर अधिकतम 30% तक सब्सिडी उपलब्ध होगी।
3. 100% शूटिंग राजस्थान में करने पर
यदि पूरी फिल्म राजस्थान में शूट की जाती है तो अधिकतम सब्सिडी सीमा के अन्दर 5 प्रतिशत अतिरिक्त सब्सिडी दी जाएगी।

राजकीय लोकेशन्स पर शुल्क की 100% प्रतिपूर्ति:-

राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार के नियंत्रण वाले शूटिंग स्थानों की अनुमति शुल्क / फीस (अधिकतम पाँच दिन) की 100% प्रतिपूर्ति दी जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त फिल्मों को विशेष प्रोत्साहन:-

राजस्थान में फिल्माई गई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त फीचर फिल्मों को अधिकतम ₹1 करोड़ तथा भारत सरकार के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त फिल्मों को अधिकतम ₹50 लाख प्रोत्साहन राशि मिलेगी।

छात्रवृत्ति योजना-राजस्थान के छात्र होंगे लाभान्वित:-

फिल्म एन्ड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया पुणे, सत्यजीत रे फिल्म एन्ड टेलीविजन इंस्टीट्यूट कोलकाता और नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, नई दिल्ली (एनएसडी) में अध्ययन / प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले राजस्थान निवासी छात्रों को छात्रवृत्ति दी जाएगी। प्रत्येक वर्ष 10 छात्रों को चयनित कर अधिकतम ₹50,000 की 100% ट्यूशन फीस सहायता एवं ₹5,000 प्रतिमाह तक 100% स्टाईपेंड प्रदान किया जाएगा।

राजस्थान फिल्म डायरेक्टरी व नया ऑनलाइन पोर्टल:-

पर्यटन विभाग राज्य की सभी शूटिंग लोकेशन्स की विस्तृत डायरेक्टरी तैयार करेगा। साथ ही एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया जाएगा, जिसमें निर्माता निर्देशक से लेकर कलाकार, तकनीशियन, संगीतकार, कोरियोग्राफर और लाइन प्रोड्यूसर तक सभी की सूची उपलब्ध रहेगी। यह पोर्टल फिल्म निर्माताओं के लिए वन-स्टॉप समाधान बनेगा।

थियेटर में रिलीज की अनिवार्यता:-

थिएटर में रिलीज होने वाली हिंदी फिल्मों को न्यूनतम 200 स्क्रीन, राजस्थानी फिल्मों को 25 स्क्रीन और अन्य भाषाओं की फिल्मों को 100 स्क्रीन पर रिलीज करना अनिवार्य होगा।

राज्य सरकार व पर्यटन विभाग को अनिवार्य श्रेय:-

सभी सब्सिडी प्राप्त फिल्मों हेतु राज्य सरकार और पर्यटन विभाग को श्रेय देना अनिवार्य होगा।

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय का दशम दीक्षांत समारोह आयोजित

-विद्यार्थी ऐसे विषयों पर शोध करें, जिनका लाभ देश और समाज को मिले - राज्यपाल बागडे

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि विद्यार्थी शोध के लिए ऐसे विषयों का चयन करें, जिनका देश और समाज को लाभ मिले। साथ ही विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता में वृद्धि हो। राज्यपाल बागडे बुधवार को महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के संत मीराबाई सभागार में आयोजित विश्वविद्यालय के दशम दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के शोध का वृहद स्तर और दीर्घकालीन लाभ मिले। विश्वविद्यालय शिक्षा के केंद्र बनें। विद्यार्थियों को यहां शिक्षा का बेहतर वातावरण मिले। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसरों को साफ-सुथरा, हरा-भरा बनाए रखने और शिक्षकों को भी अपने पद की गरिमा और मर्यादा बनाए रखने का आह्वान किया। राज्यपाल ने संयमित दिनचर्या के महत्व को बताया और विद्यार्थियों से योग एवं प्राणायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत के युवा अत्यंत प्रतिभाशाली हैं। हमारी बौद्धिक क्षमता का पूरी दुनिया लोहा ने माना है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2004 में भारत, विश्व की 12वीं और वर्ष 2014 में 11वीं बड़ी अर्थवस्था थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

के नेतृत्व में आज हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरे हैं। राज्यपाल ने विद्यार्थियों से मां के नाम एक पेड़ लगाने का आह्वान किया और कहा कि पर्यावरण संरक्षण में पौधारोपण का बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि समाज ने हमें बहुत दिया है। हमें समाज के प्रति निष्ठा रखनी चाहिए। उन्होंने भारत की संस्कृति को समृद्ध बताया और कहा कि राजस्थान सूरों, धर्मात्माओं और संतों की नगरी है। राज्यपाल ने महाराजा गंगा सिंह को दूरदृष्टा बताया और कहा कि उनके भागीरथ प्रयासों से आई गंगनहर ने रेगिस्तान को हरा-भरा किया। उन्होंने महाराजा गंगा सिंह के सैन्य योगदान को भी रेखांकित किया और कहा कि गंगा रिसाला और ऊंटों की सेना ने प्रथम विश्व युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दीक्षान्त समारोह में वर्ष 2024 की कुल 1 लाख 20 हजार 812 उपाधियां प्रदान की गई। साथ ही 1 जनवरी से 31 दिसंबर 2024 की अवधि में कुल 46 शोधार्थियों, जिनमें 22 पुरूष एवं 24 महिलाओं को विद्यावाचस्पति (पीएचडी) की उपाधि प्रदान की गई। समारोह में परीक्षा वर्ष 2024 की परीक्षाओं में अपने विषयों में उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले कुल 65 विद्यार्थियों, जिनमें 9 पुरूष एवं 56 महिला को स्वर्ण पदक दिए गए। विधि संकाय की सुश्री लावण्या शर्मा को कुलाधिपति पदक एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की सुश्री तन्नू को कुलगुरु पदक प्रदान किया गया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में संचालित होने वाली ई-फाईलिंग एवं विश्वविद्यालय के कैलेण्डर का लोकार्पण किया। विश्वविद्यालय के कुलगुरु आचार्य मनोज दीक्षित ने स्वागत उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया ओर विश्वविद्यालय द्वारा किए गए नवाचारों और गत वर्षों में अर्जित उपलब्धियों के बारे में बताया। इससे पहले राज्यपाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित किए। विश्वविद्यालय द्वारा कुलगीत और विश्वविद्यालय वृत्तचित्र का प्रस्तुतीकरण किया गया।

आरएएस भर्ती-2024 साक्षात्कार का तृतीय चरण 5 जनवरी से होगा प्रारंभ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा बुधवार को विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के साक्षात्कारों का विस्तृत कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। इसके अनुसार, राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2024 के तीसरे चरण के इंटरव्यू 5 जनवरी 2026 से शुरू होकर 15 जनवरी 2026 तक चलेंगे। इस भर्ती के साक्षात्कार में उपस्थित होने वाले समस्त अभ्यर्थियों को ऑनलाइन भरे गए विस्तृत आवेदन पत्र डाउनलोड कर साक्षात्कार के समय दो प्रतियों में मय समस्त प्रमाण-पत्रों की फोटो प्रति एवं समस्त मूल प्रमाण-पत्रों सहित प्रस्तुत करना होगा।

सहायक आचार्य सहित विभिन्न पदों का साक्षात्कार कार्यक्रम-

इसके अलावा, सहायक आचार्य (कॉलेज शिक्षा विभाग) भर्ती-2023 अन्तर्गत भूगोल विषय के पदों हेतु अंतिम चरण के साक्षात्कार 5 से 13 जनवरी 2026 तक आयोजित किए जाएंगे। वहीं, सहायक आचार्य वनस्पति विज्ञान और एबीएसटी के प्रथम चरण के साक्षात्कार का आयोजन 14 से 16 जनवरी 2026 तक किया जाएगा। उक्त सभी पदों हेतु साक्षात्कार में उपस्थित होने वाले ऐसे अभ्यर्थी, जिन्हाने पूर्व में अपना विस्तृत आवेदन-पत्र आयोग को प्रस्तुत नहीं किया है, वे विस्तृत आवेदन-पत्र आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड कर साक्षात्कार के समय दो प्रतियों में समस्त प्रमाण-पत्रों की फोटो प्रतियों के साथ अनिवार्य रूप से लाएं। सहायक आचार्य (चिकित्सा शिक्षा विभाग) भर्ती-2021 अंतर्गत जनरल सर्जरी तथा ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गाइनकोलॉजी के इंटरव्यू 5 से 13 जनवरी 2026 तक आयोजित किए जाएंगे। सहायक कृषि अधिकारी भर्ती-2021 के पदों हेतु 14 और 15 जनवरी 2026 को साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा।

मुख्य सचिव ने किया राजस्थान के लोकायुक्त सचिवालय के 'लोगो' का अनावरण

-लोकायुक्त की मूल भावना का प्रतीक 'लोगो', जनविश्वास को करेगा और अधिक सशक्त- लोकायुक्त लोहरा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास के मुख्य आतिथ्य में बुधवार को शासन सचिवालय में लोकायुक्त सचिवालय के लोगो (प्रतीक चिन्ह) का अनावरण किया गया। इस दौरान लोकायुक्त प्रताप कृष्ण लोहरा, महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा, एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया भरत व्यास, महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद एवं प्रो. रामसेवक दुबे सहित अन्य गणमान्य अतिथिगण उपस्थित रहे। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रतीक चिन्ह में वर्णित 'न्यायो नीति: च शासनम्' वाक्य लोकायुक्त संस्था को पूर्णत: परिभाषित करता है। यह प्रतीक चिन्ह ईमानदारी का मार्ग प्रशस्त करता है, जहां सत्यनिष्ठा ही सुशासन की आधारशिला है। इस दौरान उन्होंने राज्य सरकार के सभी कार्मिकों से सत्यनिष्ठा की शपथ लेने का आह्वान भी किया। मुख्य सचिव ने बताया कि 25 दिसम्बर को राजस्थान में सुशासन दिवस मनाया जाएगा। प्रदेश में सेवा वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ करने और जन शिकायतों के प्रभावी निराकरण में किए गए सुधारों से राजस्थान, सुशासन सप्ताह—2025 में राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष प्रदर्शन करने

वाले राज्य में शामिल हुआ है। लोकायुक्त प्रताप कृष्ण लोहरा ने कहा कि यह प्रतीक चिन्ह लोकायुक्त सचिवालय की विशिष्ट पहचान का प्रतीक है, जो पारदर्शिता, निष्पक्षता, न्यायप्रियता तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध अटल संकल्प को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह प्रतीक चिन्ह राजस्थान की मिट्टी, इतिहास, संस्कृति एवं मूल्यों को समेटे हुए है। प्रतीक चिन्ह की विशेषताएं उल्लेखित करते हुए उन्होंने कहा कि यह जनसामान्य में लोकायुक्त संस्था के प्रति विश्वास को और अधिक सुदृढ़ करेगा तथा संस्था की गरिमा को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। इस अवसर पर सचिव लोकायुक्त गौरी शंकर शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि लोकायुक्त लोहरा की नवाचारी सोच ने इस अनूठे विचार को मूर्त रूप दिया है।

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई, 06 केन्टर सामान जब्त

-20 हजार 700 रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में बुधवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में हरमाड़ा घाटी के पास, अम्बेडकर पार्क हरमाड़ा एवं सीकेएस अस्पताल के पास, बड़ी चैपड़, रामगंज चैपड़ से लुहारों का खुर्रा, रामगंज बाजार, बर्मीज कॉलोनी, अंकुर टॉकीज परिसर, महादेव मंदिर (जवाहर नगर), आदर्श नगर, ट्रांसपोर्ट नगर, जोहरी बाजार, छोटी चैपड़, बापू बाजार, अजमेर रोड, सोडाला, 22 गोदाम क्षेत्र, सी-स्कीम स्टैच्यू सर्किल, गोविंद देव जी मंदिर के आसपास, जोरावर सिंह गेट, रामगढ़ मोड़ से जलमहल तक अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 20 हजार 700 रुपये का

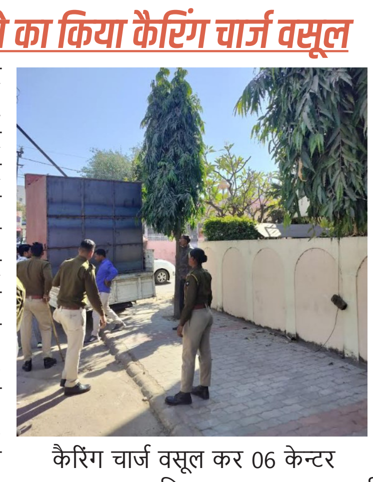

कैरिंग चार्ज वसूल कर 06 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में हरमाड़ा घाटी के पास, अम्बेडकर पार्क हरमाड़ा एवं सीकेएस अस्पताल के पास, बड़ी चैपड़, रामगंज चैपड़ से लुहारों का खुर्रा, रामगंज बाजार, बर्मीज कॉलोनी, अंकुर टॉकीज परिसर, महादेव मंदिर (जवाहर नगर), आदर्श नगर, ट्रांसपोर्ट नगर, जोहरी बाजार, छोटी चैपड़, बापू बाजार, अजमेर रोड, सोडाला, 22 गोदाम क्षेत्र, सी-स्कीम स्टैच्यू सर्किल, गोविंद देव जी मंदिर के आसपास, जोरावर सिंह गेट, रामगढ़ मोड़ से जलमहल तक अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 06 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 20 हजार 700 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

शहरी समस्या समाधान शिविरों के माध्यम से एक ही छत के नीचे हुआ शहरी निकाय से जुड़ी समस्याओं का निस्तारण

-सेवाओं के त्वरित निस्तारण से हजारों नागरिक हुए लाभान्वित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप आयोजित किए जा रहे शहरी समस्या समाधान शिविर (16 दिसम्बर 2025 से 24 दिसम्बर 2025) आमजन के लिए राहत और समाधान का सशक्त माध्यम बनकर उभरे हैं। नगर निगम जयपुर द्वारा सभी जोन कार्यालय परिसरों में लगाए जा रहे इन शिविरों के माध्यम से अब तक शहरी निकाय से जुड़ी समस्याओं का एक ही छत के नीचे निस्तारण किया गया। बुधवार को सिविल लाइन जोन और मुरलीपुरा जोन में फोलोअप शिविर लगाए गए, जहां पर आमजन के कार्य मौके पर ही किए गए। सिविल लाइन जोन में विधायक गोपाल शर्मा ने कैंप का निरीक्षण किया। विधायक गोपाल शर्मा ने शिविर में पीएम स्वनिधि योजना के 15 लाभार्थियों को चेक वितरित किए। चेक प्राप्त करते ही लाभार्थियों के चेहरे पर खुशी झलक उठी। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश पर सभी जोन उपायुक्त शिविरों में उपस्थित रहकर आमजन से संवाद कर रहे

हैं तथा शिकायतों का मौके पर ही त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है। बुधवार को आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने मुरलीपुरा जोन का औचक निरीक्षण किया आमजन से शिविर के बारे में फीडबैक भी लिया साथ ही अधिकारियों को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि शिविरों में सफाई व्यवस्था, डोर टू डोर कचरा संग्रहण, सीवर लाइन कार्य, पट्टा प्रकरण, आवारा पशु नियंत्रण, फायर एनओसी, पीएम स्वनिधि योजना, जन्म-मृत्यु-विवाह पंजीयन सहित विभिन्न नागरिक सेवाओं का लाभ आमजन को मिल रहा है। मुरलीपुरा जोन में लगाये गये शिविर में जन्म-मृत्यु, विवाह प्रमाण पत्र के 90 भूखण्ड निर्माण स्वीकृति 7, नाम हस्तांतरण-6, सबडिविजन-7, जनआधार-49 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। सिविल लाइन जोन में हुए कार्य पट्टा नामांतरण - 14, भवन निर्माण स्वीकृति - 1, पीएम स्वनिधि योजना - 15, डोर टू डोर कचरा संग्रहण - 70, जन्म, मृत्यु व विवाह पंजीयन - 54 प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

इन 8 दिवसीय शिविरों में विभिन्न जोन में लगाये गये शिविरों के अन्तर्गत डोर टू डोर कचरा संग्रहण के 1249, सीवर लाईन मरम्मत के 86, सीसी सड़क के 150, ओपन डिपो समाप्त 128, रहवासी क्षेत्रों में 283 किमी लम्बाई की सड़कों की सफाई की गई। इसके अतिरिक्त यूडी टैक्स के 50 प्रकरणों के निस्तारण सहित स्ट्रीट लाईट, आवारा पशुओं को पकड़ने सम्बन्धित शिकायतों, ट्रेड लाइसेंस, पीएम स्वनिधि योजना के तहत् अन्य प्रकरणों का निस्तारण कर आमजन को राहत प्रदान की गई।

वर्ष 2024-25 का निर्यात, वर्ष 2022-23 की तुलना में लगभग 25 प्रतिशत अधिक रहा है- कर्नल राज्यवर्धन राठौड़

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 के निर्यात के आंकड़े जारी किए गये है जिसके अनुसार अप्रेल से अक्टूबर 2024 में जहां राज्य का कुल निर्यात रूपये 52,673.94 करोड था, वहीं अप्रेल से अक्टूबर 2025 में यह बढकर रूपये 58,029.33 करोड हो गया है। इस प्रकार राज्य के निर्यात में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो कि वर्तमान सरकार की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह भी उल्लेखनीय है कि राज्य से वर्ष 2022-23 में कुल निर्यात ₹77,771.37 करोड़ था, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर ₹97,171.68 करोड़ हो गया है। वर्ष 2024-25 का निर्यात, वर्ष 2022-23 की तुलना में लगभग 25 प्रतिशत अधिक रहा है। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड ने बताया कि उद्योग एवं वाणिज्य विभाग निर्यातकों के उत्थान हेतु निरन्तर प्रयासरत है। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विज़न एवं माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा निर्यातकों को प्रोत्साहित करने हेतु एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी-2024, RIPS-2024, एक जिला एक उत्पाद (ODOP) नीति, MSME Policy-2024, EoDB में किये गये प्रयास तथा राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के फलस्वरूप राज्य में निर्यात के क्षेत्र में निरंतर वृद्धि हो रही है। राज्य ने निर्यात में जिन उत्पादों में मुख्य रूप से वृद्धि दर्ज की है उनमें जैम एण्ड ज्वैलरी, एग्रो एण्ड फूड प्रोडक्ट, स्टोन मार्बल ग्रेनाईट एवं लेदर प्रोडक्ट आदि है। इन क्षेत्रों मे न केवल राज्य के निर्यात को नई गति दी है बल्कि बड़े पैमाने पर राज्य के व्यक्तियों को रोजगार भी मिला है। राज्य की इस वृद्धि से उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भागीदारी बढ़ाने में सहायता के साथ-साथ नये मार्केट तक पंहुच बढी है।

आरपीएससी सचिव ने कार्मिकों को दिलाई शुचिता और पारदर्शिता की शपथ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान लोक सेवा आयोग कार्यालय में बुधवार को राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सुशासन दिवस के अवसर पर शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने समस्त कार्मिकों को सेवा और सुशासन की शपथ दिलाई। समारोह में आयोग के समस्त कार्मिकों ने कार्यप्रणाली को अधिक बेहतर और जन-हितैषी बनाने का दृढ़ संकल्प लिया। कार्मिकों को संबोधित करते हुए आयोग सचिव ने कहा कि वे सुशासन के उच्चतम मानदंडों को स्थापित करने के लिए सदैव तत्पर रहते हुए पूर्ण निष्ठा से अपने दायित्वों के प्रति सजग रहें। शपथ के माध्यम से यह संदेश गया है कि आयोग का प्रत्येक कर्मचारी शासन को अधिक पारदर्शी, सहभागी और जनकल्याण केंद्रित बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेगा।

जेडीए की ऑनलाइन सेवाओं पर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स एवं मीडिया कार्यशाला का सफल आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा बुधवार को राजस्थान इन्टरनेशनल सेन्टर में जेडीए की ऑनलाइन सेवाओं और कार्यप्रणाली के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जयपुर विकास आयुक्त आनंदी द्वारा की गई। कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त (प्रशासन) डॉ. प्रिया बलराम शर्मा, सलाहकार (आई.टी.) आर.के. शर्मा और सिस्टम एनालिस्ट महिपाल चंपावत ने उपस्थित सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स एवं मीडिया प्रतिनिधियों को जेडीए की सेवाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि जेडीए द्वारा प्रदान की जा रही ऑनलाइन सेवाओं के बारे में सोशल मीडिया के माध्यम से पुख्ता सूचनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार होना चाहिए। इससे आमजन में जेडीए सेवाओं को लेकर किसी तरह की भ्रांति उत्पन्न नहीं होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि मीडिया प्रतिनिधियों एवं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के सहयोग की हर स्तर पर आवश्यकता रहेगी। कार्यशाला में उपायुक्त अपूर्वा परवाल द्वारा जेडीए से पट्टे हेतु आवेदन करने से लेकर पट्टा रजिस्टर्ड होने तक की पूरी प्रक्रिया को उदाहरण सहित स्टेप-बाय-स्टेप समझाया गया। वर्कशॉप में जेडीए के प्रमुख कार्यों (Major Functions), क्षेत्राधिकार (Jurisdiction), प्रशासनिक जोन, बाउंड्री और जेडीए रीजन आदि के बारे में भी विस्तार से बताया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना और नागरिकों तक जेडीए की पहलों की सटीक जानकारी पहुँचाना था।

खोरा लाड़खानी में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन 21 से 28 तक

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। भगवान लक्ष्मीनरसिंह जी की कृपा से खोरा लाड़खानी में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन नृसिंह मंदिर चौक में दिनांक 21 दिसम्बर से 28 दिसंबर तक भव्य रूप से किया जा रहा है। कथा का आयोजन खोरा के पुजारी परिवार द्वारा करवाया जा रहा है। पुजारी परिवार ने अपने पूर्वजों की स्मृति में इस कार्यक्रम का आयोजन किया है। ज्ञात हो कि पुजारी परिवार पिछले पांच साल से अनवरत ग्राम में अपनी जड़ों से जुड़े रहने के लिए साल में चार से पांच बार अलग अलग कार्यक्रम आयोजित करता है। कुछ साल पहले समस्त परिवार जनों के सहयोग से नरसिंह मंदिर का जीर्णोद्धार किया है जो कि करीब सैकड़ों साल पुराना मन्दिर है। श्रीमद्भागवत के आयोजन में पुजारी परिवार के सभी सदस्य जो कि लगभग 150 के करीब

है। जयपुर से आ कर कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। पुजारी परिवार के द्वारा प्राप्त जानकारी में गया कि बताया कि दिन में कथा भगवताचार्य पंडित अशोक जी के श्रीमुख से कथा का श्रवण व्यासपीठ से किया जा रहा है। साथ ही भगवान की लीलाओं का मंचन भी किया जा रहा है। साथ ही रात्रि में भजन सत्संग का कार्यक्रम भी आयोजित किया जा रहा है। पुजारी परिवार ने सभी ग्रामवासियों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में पधार कर कथा श्रवण का लाभ प्राप्त करने व साथ ही सभी माता बहनों को भी कथा में आने के लिए प्रोत्साहित करने की अपील की है।

योजनाओं का लाभ पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित किया जाए

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। कोटपूतली–बहरोड़ जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें माननीय केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव एवं जयपुर ग्रामीण के लोकप्रिय सांसद राव राजेंद्र सिंह के साथ लाडा का बास सरपंच मदन लाल यादव को भी सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त हुआ। बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की गहन एवं विस्तृत समीक्षा की गई। लाडा का बास सरपंच मदन लाल यादव ने बताया कि बैठक के दौरान जल, स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा, सड़क, कृषि एवं ऊर्जा से जुड़ी योजनाओं की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की गई तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि सभी योजनाओं का लाभ पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित किया

जाए। योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो, इस पर विशेष जोर दिया गया। यादव ने बताया कि इस अवसर पर हमारे लोकप्रिय विधायक कुलदीप धनखड़, बानसूर विधायक देवी सिंह शेखावत, कोटपूतली विधायक हंसराज पटेल, बहरोड़ विधायक जसवंत सिंह यादव, सहित पार्टी पदाधिकारीगण, प्रशासनिक अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। सभी ने विकास कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए तथा जिले के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

"अरावली बचाओ–देश बचाओ–भविष्य बचाओ" चूरू में सैंकड़ों लोगों का प्रदर्शन

-राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर अरावली पर्वत माला के संरक्षण की मांग को लेकर "अरावली बचाओ–देश बचाओ–भविष्य बचाओ" के नारे के साथ शहीद भगत सिंह युवा क्रांतिकारी मंच राजस्थान के नेतृत्व में चूरू में एक व्यापक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस दौरान चूरू की समस्त युवा शक्ति, आमजन, छात्र संगठनों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े सैंकड़ों लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा तथा हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से सरकार के निर्णय का विरोध दर्ज कराया। संगठन के जिला अध्यक्ष अनिल चौधरी ने कहा कि अरावली राजस्थान की आन–बान–शान है। सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट के समक्ष जो सिफारिशें प्रस्तुत की गई हैं और जिन्हें कोर्ट ने स्वीकार किया है वे अरावली के अस्तित्व के लिए घातक हैं। उन्होंने मांग की कि इन सिफारिशों को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए। चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने निर्णय वापस नहीं लिया तो इस आंदोलन को बड़े स्तर पर विस्तारित करते हुए राजस्थान बंद का आह्वान किया जाएगा। भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष राम रतन सियाग ने कहा कि वर्तमान में दी गई नई परिभाषा के अनुसार पूरे देश में

केवल एक हजार से अधिक पहाड़ियां ही संरक्षित मानी जाएंगी, जबकि शेष क्षेत्रों में खनन का रास्ता खुल जाएगा। इससे खनन माफिया को बढ़ावा मिलेगा, अवैध खनन होगा और पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि अरावली पर्वतमाला राजस्थान में भूजल रिचार्ज, पर्यावरण संतुलन और गोवंश पालन का आधार है, जिसका नष्ट होना किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जा सकता। प्रदर्शन में शामिल छात्र प्रतिनिधि अंकुश चौधरी ने कहा कि आज की युवा शक्ति सरकार को चेताने के लिए सड़कों पर उतरी है। यदि सरकार ने शीघ्र निर्णय नहीं बदला तो छात्र शक्ति अरावली से चिपककर एक–एक कण की रक्षा करेगी और खेजड़ली बलिदान की तरह एक नया बलिदान व नया आंदोलन पूरे राजस्थान में खड़ा किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। इस विरोध प्रदर्शन में राजेश चौधरी, मोहनलाल आर्य,रणवीर कस्बा, बाबूलाल रॉयल, विजेंद्र पूनिया, रोहित पूनिया, रतन सैनी, सिकंदर सिंह सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं युवा नेता शामिल हुए। इसके साथ ही कैरियर कॉलेज, ममता पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट, आदर्श नर्सिंग कॉलेज, न्यू ग्रामीण डिफेंस एकेडमी, आज़ाद डिफेंस एकेडमी, लोहिया कॉलेज तथा भारतीय किसान यूनियन सहित विभिन्न संगठनों और जिलों से आए लोगों ने भी सहभागिता की। दूसरी तरफ शहीद भगत सिंह क्रांतिकारी युवा मंच से जुड़े युवा साथी लोकेश शर्मा ने "अरावली बचाओ-देश बचाओ-जीवन बचाओ" को लेकर जिला राजकीय भरतीया अस्पताल में रक्तदान किया और कहा रक्तदान उनके जीवन का अनमोल दान है और मैं मेरा भरपूर समर्थन और अरावली बचाओ को देता हूं। प्रदर्शन के दौरान पोस्टर एवं बैनरों के माध्यम से अरावली संरक्षण की मांग को प्रमुखता से उठाया गया और सरकार से जनभावनाओं का सम्मान करने की अपील की गई।

जंगशेर ख़ान को एएसआई पदोन्नति पर सम्मानित किया

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्टार एकेडमी चुरू में आज जंगशेर ख़ान के सहायक उप निरीक्षक (ASI) राजस्थान पुलिस हाल पदस्थापित श्रीगंगानगर निवासी चुरू के पद पर पदोन्नत होने के उपलक्ष्य में एक गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एकेडमी के निदेशक अब्बास खान, रि.एसअचओ अज़ीज़ खान, रि. DED जिला शिक्षा अधिकारी भंवर खान, रि. उप निदेशक मोहम्मद अय्याज़ खान, आरिफ खान एबीएस मोटर्स, रि. आरपीएस रणधीर सिंह, सिकंदर बी. खान, साजिदा खान एवं शिक्षकगण, विद्यार्थी एव गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत जंगशेर ख़ान को गुलदस्ता भेंट कर और माल्यार्पण द्वारा हुई। उपस्थित वक्ताओं ने जंगशेर खान की

मेहनत, अनुशासन और कर्तव्य-निष्ठा की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि उनकी यह पदोन्नति न केवल उनके लिए बल्कि समाज और युवा पीढ़ी के लिए भी प्रेरणास्रोत है। समारोह के दौरान जंगशेर ख़ान को शॉल ओढ़ाकर व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में श्री ख़ान ने स्टार एकेडमी परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सफलता के पीछे निरंतर परिश्रम, परिवार का सहयोग और संस्थाओं का मार्ग-दर्शन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश भी दिया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उपस्थित जन समूह ने जंगशेर ख़ान के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें बधाई दी।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बनावड में छात्र-छात्राओं को दिये ऊनी स्वेटर

मंडावर (रॉयल पत्रिका)। उपखंड क्षेत्र के समीप ग्राम पंचायत बनावड के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बनावड में भामाशाह किशनसिंह गिरदावर ने सर्दी के मौसम को देखते हुए ग्राम पंचायत के सभी छात्र-छात्राओं को ऊनी स्वेटर वितरित किए गये, जिन्हें पाकर सभी छात्र-छात्राओं के चेहरे खिले उठे। वहीं समाज सेवी भोजराज ऐदलपुर ने बताया है कि भामाशाह किशनसिंह गिरदावर वर्तमान में फलौदी जिले के बापिणी तहसील में कार्यरत हैं छुट्टियो में गांव आये थे तो उन्होंने सर्दी की अत्यधिकता को देखते हुए ग्राम पंचायत बनावड के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बनावड के सभी छात्र-छात्राओं को ऊनी कपड़े वितरित किए गये व मिठाई खिलाकर मुंह मीठा करवाया। भामाशाह किशन सिंह गिरदावर के इस कार्य सभी ग्रामीणों ने सराहना की और विद्यालय स्टाफ ने भामाशाह का आभार व्यक्त

किया। इस मौके छोटेलाल पटेल, गंगाराम, बिजेंदर (उपसरपंच), भजनलाल, लहरीराम, रामहरी (लोको पायलट), बनवारी पंडित, भोजराज ऐदलपुर, गोपाल गुरुजी, रामखिलारी (दुकानदार), हरिराम, हरीश, सत्तू, शैलेंद्र (भाया), रवि फौजी, भुवनेश्वर, नरेश, रामू, लक्ष्मण सरपंच, शिवराम बनावड, राजेंद्र प्रजापत, जितेंद्र, भीम सिंह, जय नारायण बनावड, गणेश, सतीश, सुनील, दिनेश, सुरेंद्र, शून्या, महेंद्र समस्त विद्यालय स्टाफ सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे थे।

विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल व अन्य सामाजिक संगठनों ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का विरोध पुतला जलाकर किया

शफीक अली

महुवा (रॉयल पत्रिका)। में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, व अन्य सामाजिक संगठनों ने बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में बांग्लादेश सरकार का पुतला दहन करके विरोध प्रदर्शन किया गया साथ में ही भारत में रह रहे बांग्लादेशी शरणार्थियों, रोहिंग्या मुसलमानों को चिन्हित करके देश से बाहर निकालने का आह्वान किया गया।

विरोध प्रदर्शन में बजरंग दल विभाग संयोजक नरेश कुमार ने बताया कि हिंदू धर्म पर और हिंदुओं पर इस प्रकार का आघात होना हिंदुओं के लिए बहुत बड़ा चिंता का विषय है। अब भी हिंदू नहीं जागे तो आने वाले समय पर परिणाम बहुत भयानक होंगे। बजरंग दल जिला संयोजक खेमचंद किवाड़िया ने सभी बजरंगियों और हिंदू युवाओं को धर्म

की रक्षा करने के लिए आह्वान साथ ही ऐसी घटनाओं का प्रतिकार करने को कहा गया। विरोध प्रदर्शन में प्रसिद्ध संत रामबालक दास महाराज ने भी हिंदू समाज को एक जुट रहने का संदेश दिया और बताया कि हिंदू एक नहीं हुआ तो हिंदू धर्म, संस्कृति पर लगातार आघात पहले से होते आ रहे हैं और अभी बहुत गति से हो रहे हैं। गौ पुत्र सेना के राष्ट्रीय सचिव गौपुत्र अवधेश अवस्थी ने सभी हिंदू संगठनों से एक होकर समाज में जागृति करने का संदेश दिया। इस विरोध प्रदर्शन मे उपाध्यक्ष इंद्रेश बंसल, प्रखंड मंत्री लोकेश सैनी, बजरंग दल प्रखंड संयोजक राज शर्मा, जिला प्रमुख भावेश शर्मा, गौपुत्र सेना के राष्ट्रीय सचिव गौपुत्र अवधेश अवस्थी, गौरव सोनी, विक्रम नरुका, लक्की सैन, राज सैन, राजा गोडीवाल, गुलशन साहू, मणि, गौरक्षक गोलू सैनी व हर्ष हिंदू उनकी टीम सहित बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद गौपुत्र सेना के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मेड़तिया सिलावट समाज खेड़ा सोजत धड़ा नंबर 2 के चुनाव सम्पन्न

-अत्तारी अध्यक्ष राही सचिव व टांक केशियर नियुक्त

मोहम्मद यासीन

सोजत (रॉयल पत्रिका)। पंचायत 22 खेड़ा मेड़तिया सिलावट समाज खेड़ा सोजत सिटी धड़ा नंबर 2 के चुनाव सर्व सम्मति से किए गए जिसमें ठेकेदार मोहम्मद मन्सूर अत्तारी अध्यक्ष वरिष्ठ साहित्यकार, पत्रकार अब्दुल समद राही सचिव, अब्दुल खालिद टांक केशियर व मोहम्मद वाजिद टांक उपाध्यक्ष, मोहम्मद साजिद टांक सह सचिव, पार्षद मोहम्मद शहजाद को संगठन मंत्री नियुक्त किया गया है। नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर अब्दुल रशीद पप्सा, अब्दुल अव्वल टांक, मोहम्मद माजिद, वसीम अकरम, मोहम्मद इम्तियाज़ राही, मोहम्मद अवेस, मोहम्मद अरवेज आदि उपस्थित थे।

कृषि उपज मंडी में 01 जनवरी से होगा व्यापार स्थानांतरण

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर कृषि उपज मण्डी समिति कार्यालय के सभा कक्ष में बुधवार को कृषि उपज मण्डी समिति सचिव पंकज शर्मा की अध्यक्षता में चूरू मण्डी व्यापार अध्यक्ष तथा अनुज्ञा पत्रधारी व्यापारियों के साथ व्यापार स्थानान्तरण (ट्रेड शिफ्ट) करने के सम्बन्ध में बैठक आयोजित की गई। मंडी सचिव पंकज शर्मा ने बताया कि बैठक में व्यापारियों की पूर्व मांग के अनुसार आवंटित दुकानों के पीछे गोदामों का आवंटन कर उनको कब्जा पत्र जारी कर दुकानों का कब्जा व्यापरियों को सुपुर्द कर दिया गया है और व्यापारियों को मण्डी प्रांगण में व्यापार स्थानान्तरण हेतु

निर्देशित किया गया है। इस पर व्यापार मण्डल अध्यक्ष व समस्त अनुज्ञा पत्रधारी व्यापारियों ने सर्व सम्मति से 01 जनवरी, 2026 को चूरू मंडी प्रांगण में एक साथ व्यापार स्थानान्तरण करने का निर्णय लिया है। मंडी सचिव ने सभी किसानों एवं व्यापारियों से अपील की है कि गुड़, चीनी, अनाज आदि अपनी कृषि जिन्सों को कृषि उपज मण्डी समिति प्रांगण में लाएं।

वीर बाल दिवस पर पाली में विविध कार्यक्रमों का आयोजन

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान भारतवर्ष में प्रतिवर्ष 26 दिसंबर को मनाया जाने वाला वीर बाल दिवस सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के चार साहिबजादों — बाबा अजीत सिंह, बाबा जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह एवं बाबा फतेह सिंह — के अद्वितीय शौर्य, धर्मनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान को स्मरण करने का दिवस है। यह दिवस देश की नई पीढ़ी को साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देता है। इसी पावन अवसर पर पाली शहर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। प्रभात फेरी का आयोजन खालसा संस्थान द्वारा किया जा रहा है, जो प्रातः 5:00 बजे सिंधी कॉलोनी गुरुद्वारे से प्रारंभ होकर नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए संपन्न होगी। प्रभात फेरी के माध्यम से वीर साहिबजादों के बलिदान का संदेश जन-जन तक पहुँचाया जाएगा। इसी क्रम में प्रातः 10:30 बजे वंदे मातरम् स्कूल, जय नगर में एक संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें वीर बाल दिवस के ऐतिहासिक एवं नैतिक महत्व पर विचार रखे जाएंगे। इस कार्यक्रम के कार्यक्रम संयोजक तिलोक चौधरी एवं कार्यक्रम सह-संयोजक इंदरजीत राव रहेंगे। सांयकाल 6:30 बजे सूरजपोल चौराहा पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के कार्यक्रम संयोजक दर्शन तलवार तथा सह-संयोजक भूपेन्द्र सिंह खेड़ा एवं राजन बैहल रहेंगे। कार्यक्रम में कुलदीप सिंह, सुरेन्द्र सिंह एवं सुखवंत सिंह की विशेष सहभागिता रहेगी। आयोजकों ने शहरवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर वीर साहिबजादों एवं राष्ट्र के लिए बलिदान देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करें तथा वीर बाल दिवस को गरिमामय रूप से मनाएं।

एसआईआर प्रक्रिया को लेकर भाजपा शहर मंडल की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी शहर मंडल की ओर से एसआईआर (SIR) प्रक्रिया को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष ओ. पी. पारेता की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिला महामंत्री सारिका सिंह चौहान, लक्ष्मीनारायण केरवालिया एवं जिला उपाध्यक्ष मुकेश केरवालिया विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक में एसआईआर प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा इसे प्रभावी रूप से लागू करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। भाजपा जिला प्रवक्ता योगेश राजोरा ने जानकारी देते हुए बताया कि संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता की सक्रिय भूमिका से ही इस प्रक्रिया को सफल बनाया जा सकता है, बैठक में भाजपा के

हरिराम गुर्जर, दिलीप शाक्यवाल, धीरेंद्र नागर, द्वारका प्रसाद प्रजापति, भगवती बैरवा, हरीश वैष्णव, योगेश गोढ़, विद्यारतन जयंत, मयंक तिवारी, सत्यनारायण गुर्जर, हेमंत मीणा रजपाली, भवानी मेहरा, सत्येंद्र गोतम, लीलाधर सुमन, चौथमल नागर, हरिओम सुमन, वंश प्रताप, कन्हैया वैष्णव, महेश सुमन, दिनेश नागर, डॉ. महेश यादव, यग्नेश शर्मा सहित शहर पदाधिकारी, बीएलए-2, बूथ अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी को अपने-अपने दायित्वों का निष्ठा-पूर्वक निर्वहन करते हुए संगठनात्मक मजबूती पर जोर देने का आह्वान किया गया, बैठक का समापन संगठन की एकजुटता एवं आगामी कार्य योजनाओं को लेकर सकारात्मक संकल्प के साथ हुआ।

भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री कैलाश मेघवाल का गर्मजोशी से किया स्वागत

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी जिला सवाई माधोपुर की बैठक आज भाजपा कार्यालय पर संपन्न हुई जिला प्रवक्ता सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि कार्यकर्ताओं की बैठक को प्रदेश महामंत्री कैलाश मेघवाल ने संबोधित किया। जिसकी अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने की एवं पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेश जैन, जिला महामंत्री जगदीश अग्रवाल, बाबूलाल मीना, जिला उपाध्यक्ष लाल चंद गौतम, एससी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष ललित लकवाल, एससी महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष अंजू जाटव मंचासीन रहे। इससे पूर्व भाजपा कार्यकर्ताओं ने मानसिंह गुर्जर के नेतृत्व में कुशतला टोल पर जाकर प्रदेश महामंत्री कैलाश मेघवाल का स्वागत और अभिनंदन किया, बाद में जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने संबोधित करते हुए कहा कि जिले में एसआईआर का कार्य पूर्ण हो गया है, 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जन्म जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाई जाएगी एवं

26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाया जाएगा। प्रदेश महामंत्री कैलाश मेघवाल ने अपने संबोधन में कहा कि राजस्थान सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने पर सरकार की ओर से विभिन्न योजनाएं चलाई गई है और मुख्यमंत्री ने हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं। दूसरे के लिए कार्य करने वाला कार्यकर्ता केवल भाजपा में है, 25 दिसंबर को सुशासन दिवस एवं राज्य भर में चल रहे विकास रथों का समापन भी है। इस दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष हरिओम गर्ग, सत्यनारायण धाकड़, मीरा सैनी, जिला मंत्री गंगा शंकर गौतम, जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष दीनदयाल अग्रवाल, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अशोक राज मीणा, शहर मंडल अध्यक्ष कपिल जैन, बजरिया मंडल अध्यक्ष रितेष भारद्वाज, कुंडेरा मंडल अध्यक्ष मनीष जैन कार्यालय मंत्री मुकेश शर्मा, एसी मोर्चा जिला अध्यक्ष मनोज बैरवा, पूर्व जिला प्रमुख पृथ्वीराज मीणा, पूर्व सभापति कमलेश जैलिया रामपाल बालोत, सतीश शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा, हरचरण सिंह, कृष्णा गुप्ता सावित्री शर्मा, मदन मोहन अग्रवाल, देवेंद्र मोहन गौतम, शुभम भारद्वाज, खेमराज महावर, संजय सिकरवार, बनवारी बंसल आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गोगासर की पारुल झेड़ू एलिट मिस राजस्थान में सेकण्ड रनर अप

-"यह ताज मेरी पहचान नहीं, मेरी ज़मीन से दुनिया को प्रेरित करने का माध्यम है" — पारुल झेड़ू

मोहम्मद अली पठान

चूरू/जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पारुल झेड़ू ने कहा यह जीत मेरे लिए सिर्फ एक खिताब नहीं है, बल्कि एक ऐसा अवसर है, जिसके जरिए मैं अपनी ज़मीन से दुनिया को प्रेरित करना चाहती हूं।"यह कहना है एलिट मिस राजस्थान 2025 (सीजन-12) में सेकंड रनर-अप रहीं पारुल झेड़ू का। जयपुर के मानसरोवर स्थित अनंत महल में हाल ही में आयोजित भव्य ग्रैंड फिनाले में पारुल ने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और सधी हुई प्रस्तुति से यह मुकाम हासिल किया। चूरू जिले के गोगासर (रतनगढ़) की रहने वाली पारुल ने प्रदेश भर से आई सैकड़ों प्रतिभागियों के बीच खुद को साबित करते हुए टॉप-3 में जगह बनाई। पारुल ने कहा कि वे मॉडलिंग के साथ-साथ पढ़ाई भी कर रही हैं और उनका मानना

है कि "शिक्षा और पैशन—दोनों को साथ लेकर चलना ही असली सफलता है।" उन्होंने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता और पूरे परिवार को दिया।कार्यक्रम फाउंडर डायरेक्टर गौरव गौड़ ने बताया कि फिनाले में टॉप-30 फाइनलिस्ट के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। रैंप वॉक, पर्सनालिटी, आत्मविश्वास और हाजिरजवाबी जैसे राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए पारुल सेकंड रनर-अप बनीं। पारुल के पिता प्रदीप और माता संगीता ने हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा दी, जबकि बहन प्रीति ने और भाई मोहित ने हर कदम पर उनका हौसला बढ़ाया। पारुल की इस सफलता से परिवार, समाज और पूरे जिले में खुशी का माहौल है। भविष्य को लेकर पारुल का सपना स्पष्ट है। वे मॉडलिंग और अभिनय की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाना चाहती हैं। इससे पहले वे कई म्यूजिक एलबम्स में काम कर चुकी हैं और आगे बड़े मंच पर खुद को स्थापित करने के लिए लगातार मेहनत कर रही हैं। पारुल झेड़ू की यह उपलब्धि न सिर्फ उनके लिए, बल्कि चूरू जिले और राजस्थान की बेटियों के लिए भी प्रेरणा बनकर सामने आई है।

एहसास सोशल वेलफेयर सोसायटी ने सरकारी विद्यालय के छात्रों को जर्सियां बांटी

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हालौंदा खंडार ब्लॉक के 200 बच्चों को गर्म जर्सियां भेंट की गई। जर्सियां पाकर बच्चों में उत्साह और उमंग का माहौल था। इस अवसर पर संस्था की उपाध्यक्ष डॉ. आरती सिंह भदौरिया ने बताया कि सर्दी के मौसम में जरूरतमंद लोगों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से गर्म कम्बल एवं स्वेटर वितरण का कार्य निरंतर जारी रहेगा। संस्था का यह प्रयास बच्चों के स्वास्थ्य एवं शिक्षा को बढ़ावा देने की

दिशा में एक सराहनीय कदम है। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष सोहेल अनवर, उपाध्यक्ष डॉ. आरती सिंह भदौरिया, जावेद अनवर, अनिल कुमार सक्सेना, रिंकू सिंहल, प्रवीण जैन, अल्ताफ नूर विद्यालय प्रधानाचार्य राजेंद्र गुर्जर, कमलेश मीणा ग्रामीण सदस्य तथा समस्त विद्यालय स्टाफ के सदस्य उपस्थित रहे।

ऐतिहासिक रामगढ़ क्रेटर में जिला कलक्टर ने दिया स्वच्छता का संदेश

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बुधवार को जिले की ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक धरोहर रामगढ़ क्रेटर में जिला प्रशासन द्वारा स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। स्वच्छता अभियान में जिले के अधिकारियों एवं नागरिकों ने सहभागिता करते हुए व्यापक स्तर पर साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। सभी ने श्रमदान कर रामगढ़ क्रेटर परिसर की साफ-सफाई की और स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुंदर वातावरण बनाए रखने का संकल्प लिया। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने कार्यक्रम के पश्चात रामगढ़ बैराज का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों से व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि रामगढ़ क्रेटर को राज्य सरकार द्वारा बारां जिले के 'पंच गौरव' में शामिल किया गया है। जिला कलक्टर ने बताया कि सरकार विकास कार्यों के

साथ-साथ प्राकृतिक, ऐतिहासिक एवं पर्यटन महत्व की धरोहरों के संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि वे स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और रामगढ़ क्रेटर सहित जिले की सभी सार्वजनिक एवं ऐतिहासिक स्थलों को स्वच्छ बनाए रखने में निरंतर सहयोग करें।

यह स्वच्छता अभियान केन्द्र सरकार के स्वच्छ भारत मिशन एवं आत्मनिर्भर राजस्थान के विजन से प्रेरित रहा। अभियान के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि स्वच्छता जनभागीदारी से ही संभव है और इसके लिए प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है। अभियान में जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर, एसपी अभिषेक अंदासु, सीईओ राजवीर सिंह चौधरी, एएसपी राजेश चौधरी, डीएफओ विवेकानन्द राव बड़े, सीएमएचओ डॉ. संजीव सक्सेना, डीटीओ डॉ. कल्पना शर्मा, एडी पीआर योगेन्द्र शर्मा सहित जिले के समस्त अधिकारी-कर्मचारी एवं स्थानीय नागरिक शामिल हुए।

राजकीय अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने किया ऐतिहासिक एवं ज्ञानवर्धक शैक्षिक भ्रमण

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए राजकीय अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय, सवाई माधोपुर द्वारा एक ज्ञानवर्धक शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को कक्षा की चारदीवारी से बाहर वास्तविक दुनिया के अनुभव प्रदान करना तथा इतिहास, संस्कृति, विज्ञान एवं भूगोल जैसे विषयों की व्यावहारिक और गहन समझ विकसित करना रहा। इस शैक्षिक भ्रमण के अंतर्गत विद्यालय की कक्षा 6 से 10 तक के कुल 120 विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों ने टोंक जिले के प्रमुख ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण किया। संस्था प्रधान जुबेर अहमद ने बताया कि जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मनोज कुमार मीना ने भ्रमण दल की बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने

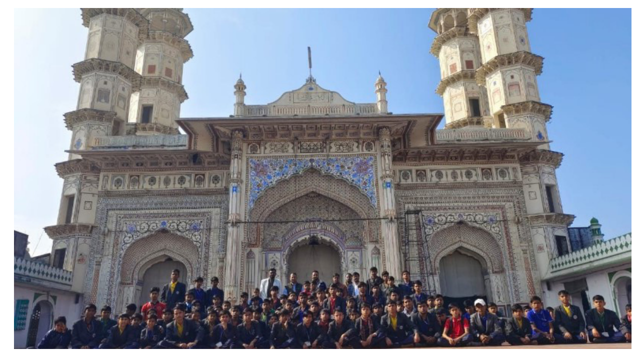

पुरातात्विक स्थल हाथी भाटा, अरबी-फारसी शोध संस्थान, शाही जामा मस्जिद, सुनहरी कोठी तथा बनास नदी तट स्थित फ्रेजर ब्रिज का अवलोकन किया। अरबी-फारसी शोध संस्थान में विद्यार्थियों को ऐतिहासिक और दुर्लभ धरोहरों की जानकारी दी गई, जिनमें शाहजहांनामा, महाभारत, तुजुके बाबरी, विश्व की विशालतम कुरान पाक, प्राचीन सिक्के, अभिलेख, शाही फरमानों की प्रतियां, मुहरें तथा अरबी-फारसी के महत्वपूर्ण प्राचीन ग्रंथ शामिल रहे। विद्यार्थियों ने टोंक रियासत कालीन स्थापत्य कला, चित्रकला, कैलिग्राफी एवं साहित्यिक रचनाओं को देखकर गहरी रुचि और उत्साह व्यक्त किया। वहीं शाही जामा मस्जिद एवं सुनहरी कोठी की स्वर्ण जड़ाई एवं पच्चीकारी ने विद्यार्थियों को विशेष रूप से आकर्षित किया। यह शैक्षिक यात्रा न केवल विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन का माध्यम बनी, बल्कि उनके भीतर टीम वर्क, आपसी सहयोग, अनुशासन एवं सामाजिक कौशल को भी सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध हुई।विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए इस भ्रमण को अत्यंत प्रेरणादायक बताया।

बालिकाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं विकास को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पाली (रॉयल पत्रिका)। महिला अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केंद्र की केंद्र प्रबंधक श्रीमती प्रियंका व्यास एवं सखी वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रबंधक श्रीमती देवी बामणिया द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गुरलाई में बालिकाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को महिला अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई, जिनमें मुख्यमंत्री नारी शक्ति प्रशिक्षण एवं कौशल संवर्धन योजना के अंतर्गत निःशुल्क RS-CIT, RS-CFA, RS-CSEP कालीबाई भील महिला संबल शिक्षा सेतु योजना, लाडो प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना, सामूहिक विवाह एवं अनुदान योजना आदि शामिल हैं।

इस अवसर पर मांगीलाल तंवर,

अधिकार मित्र, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पाली द्वारा कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम-2013, पोक्सो अधिनियम-2012, बाल विवाह निषेध अधिनियम, बालिकाओं की सुरक्षा, साइबर अपराध, गुड टच-बैड टच विषयों पर जानकारी दी गई। साथ ही 1930 साइबर हेल्पलाइन एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की जानकारी साझा की गई। बालिकाओं को पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केंद्र, वन स्टॉप सेंटर तथा महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र पर उपलब्ध सेवाओं के बारे में अवगत कराया गया। साथ ही माहवारी स्वच्छता प्रबंधन पर भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत जागरूकता अभियान के तहत शपथ ग्रहण करवाई गई। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ सहित लगभग 80 बालक-बालिकाएं उपस्थित रहे।

करौली विधायक ने ली खेड़ा मंडल के कार्यकर्ताओं की बैठक

करौली (रॉयल पत्रिका)। बीते बुधवार को खेड़ा जमालपुर मण्डल में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक मण्डल कार्यालय पर मण्डल अध्यक्ष गीता देवी की अध्यक्षता में हुई जिसमें मुख्य अतिथि अजयपाल जिला उपाध्यक्ष एवं विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय विधायक दर्शन सिंह गुर्जर मौजूद रहे। बैठक में मतदाता सूची की विशेष पुनरीक्षण के लिए कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया कि मतदाता सूची से बाहर हुआ योग्य मतदाता सूची से वंचित नहीं रहना चाहिए एवं नव मतदाताओं को विशेष रूप से मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाना है। बैठक में मण्डल उपाध्यक्ष रिंकू मीना, देवेन्द्र, छोटेलाल जाटव, ओमप्रकाश मीना, मण्डल मंत्री शोभा तिवाड़ी, बूथ अध्यक्ष जगदीश मीना,पुष्पा जांगिड़, इंद्र कुमार, ममता सैनी, सुल्तान, सहाबुद्दीन, संजीव जाट, शक्ति केन्द्र संयोजक नटवर जाट, मनोज तिवाड़ी, देवेन्द्र सिंह, उदय सिंह इस दौरान मंच संचालन महामंत्री विकास व्यास ने किया।

हनुमानगढ़ में 29 दिसंबर से नि:शुल्क क्षारसूत्र शल्य चिकित्सा शिविर, जिला कलेक्टर ने किया पोस्टर विमोचन

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय आयुष मिशन एवं आयुर्वेद विभाग, राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 29 दिसंबर, 2025 से 7 जनवरी, 2026 तक दस दिवसीय निःशुल्क क्षारसूत्र अंतरंग शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर दुर्गा मंदिर धर्मशाला, हनुमानगढ़ जंक्शन में आयोजित होगा। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने शिविर के पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर के माध्यम से अधिकाधिक संख्या में रोगियों को लाभान्वित किया जाए। उन्होंने कहा कि आयुर्वेदिक पद्धति से होने वाली यह चिकित्सा आमजन के लिए लाभकारी है और इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए, ताकि जरूरतमंद लोग समय पर उपचार प्राप्त कर सकें। उप निदेशक आयुर्वेद विभाग डॉ. तीर्थ कुमार शर्मा ने बताया कि दस दिवसीय शिविर में भर्ती

होने वाले रोगियों के लिए जांच, ऑपरेशन, भोजन, औषधियां, बेड-बिस्तर एवं फॉलोअप उपचार पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। शिविर में अनुभवी आयुर्वेदिक चिकित्सकों द्वारा क्षारसूत्र पद्धति से उपचार किया जाएगा, जो बवासीर, भगंदर व फिशर जैसे रोगों में प्रभावी माना जाता है। शिविर के दौरान प्रतिदिन प्रातः 7 से 8 बजे तक योगाभ्यास कराया जाएगा। वहीं ओपीडी सेवाएं प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक उपलब्ध रहेंगी। इसके अतिरिक्त 0 से 14 वर्ष तक के बच्चों को रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए प्रतिदिन सुवर्णप्राशन पिलाया जाएगा तथा मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए नियमित रूप से आयुर्वेदिक काढ़ा भी उपलब्ध कराया जाएगा। पोस्टर विमोचन के अवसर पर शिविर प्रभारी डॉ. डी.सी. सारस्वा, डॉ. रामप्रताप बरोला, डॉ. पलक वेदी, डॉ. देवेन्द्र भांभू, नर्स श्रीमती मोनिका डूडी एवं रवि कुमार उपस्थित रहे। उप निदेशक आयुर्वेद विभाग ने आमजन से अपील की कि वे इस निःशुल्क शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति से स्वस्थ जीवन की ओर कदम बढ़ाएं।

राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर रणकपुर जैन मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान

पाली (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पंच गौरव के तहत चयनित पर्यटन स्थल की साफ-सफाई के क्रम में बुधवार को प्रातः 09:30 से 10:15 बजे तक विश्वविख्यात रणकपुर जैन मंदिर परिसर में स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पर्यटन विभाग की उप निदेशक सरिता फिडौदा ने बताया कि इस स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन पर्यटन विभाग नगरपालिका सादड़ी एवं रणकपुर जैन मंदिर ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में किया गया, जिसका उद्देश्य स्वच्छता के प्रति

जागरूकता फैलाना एवं आमजन को स्वच्छ वातावरण का संदेश देना था। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने "स्वच्छता ही सेवा" की शपथ ग्रहण की तथा सप्ताह में कम से कम दो घंटे सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में सहभागियों द्वारा मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई कर स्वच्छ पर्यटन स्थल का उदाहरण प्रस्तुत किया गया।

कांग्रेस द्वारा "अरावली बचाओ" पदयात्रा आज

चूरु (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर "अरावली बचाओ" पदयात्रा को लेकर, कल राजस्थान युवा कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष व सगरिया विधायक अभिमन्यू पूनिया चूरू आयेंगे । चूरू विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष सोयल खान डीके ने बताया कि 25 दिसंबर को "अरावली बचाओ" पद यात्रा सुबह 11 बजे ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस पंखा रोड से शहीद स्मारक चूरू तक निकलने वाली में राजस्थान प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष व विधायक सगरिया अभिमन्यु पुनिया, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव श्रीमती रेहाना रियाज चिश्ती, युवा कांग्रेस के राजस्थान प्रभारी कपिल देसाई, युवा कांग्रेस के बीकानेर संभाग प्रभारी लक्ष्मण सांखला, युवा कांग्रेस के चूरू जिला प्रभारी जयदत्त जांगिड, शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष असलम खोखर देहात ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष किशोर धांधू, चूरू जिला कांग्रेस अग्रिम संगठन प्रभारी जमील चौहान और वरिष्ठ जन, "अरावली बचाओ" पद यात्रा में शामिल होंगे ।

डॉ. मेधा माथुर को लखनऊ में प्रतिष्ठित मिड-करियर साइंटिस्ट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, उदयपुर के सामुदायिक चिकित्सा विभाग की प्रोफेसर डॉ. मेधा माथुर को लखनऊ में आयोजित AMUCON 2025 में प्रतिष्ठित मिड-करियर साइंटिस्ट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार चिकित्सा एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट शोध योगदान तथा चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए प्रदान किया गया। डॉ. माथुर ने सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों, चिकित्सा शिक्षा एवं समुदाय-आधारित स्वास्थ्य मुद्दों

पर उच्च गुणवत्ता वाले शोध के माध्यम से महत्वपूर्ण अकादमिक योगदान दिया है। शोध कार्यों के साथ-साथ डॉ. माथुर ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के मार्गदर्शन, पाठ्यक्रम विकास तथा सामुदायिक चिकित्सा में साक्ष्य-आधारित प्रथाओं को बढ़ावा देने में भी सक्रिय भूमिका निभाई है। AMUCON जैसे राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में मिला यह सम्मान उनके अकादमिक उत्कृष्टता एवं समाज के स्वास्थ्य सुधार के प्रति सतत समर्पण को दर्शाता है। यह पुरस्कार गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के लिए गौरव का विषय है तथा राष्ट्रीय मंच पर राजस्थान के चिकित्सा संस्थानों की बढ़ती अकादमिक पहचान को और सुदृढ़ करता है।

सिनला निवासी मोतीदास को पुश्तैनी मकान का मिला आवासीय पट्टा

पाली (रॉयल पत्रिका)। ग्रामीण समस्या समाधान शिविर के अंतर्गत बुधवार को ग्राम पंचायत जाडन के प्रांगण में आयोजित शिविर में ग्राम सिनला निवासी मोतीदास पुत्र नारायणदास के जीवन में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि लेकर आया। लंबे समय से अपने पुश्तैनी मकान के वैध मालिकाना अधिकार की प्रतीक्षा कर रहे मोतीदास को शिविर के दौरान उपखण्ड अधिकारी, विकास अधिकारी एवं सिनला प्रशासक के द्वारा आवासीय पट्टा प्रदान किया गया। मोतीदास ने बताया कि वह पिछले काफी समय से अपने पूर्वजों के मकान का मालिकाना अधिकार प्राप्त करने के लिए

प्रयासरत थे, जो इस शिविर के माध्यम से संभव हो सका। वैध पट्टा मिलने से अब वे बैंक से ऋण प्राप्त कर स्वरोजगार प्रारंभ कर सकेंगे, जिससे उनकी आजीविका में वृद्धि होगी तथा परिवार के जीवन स्तर में सुधार आएगा। उन्होंने इस जनकल्याणकारी पहल के लिए राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसे शिविर आमजन को त्वरित राहत प्रदान कर शासन की संवेदनशीलता को दर्शाते हैं। मोतीदास ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं प्रशासन का धन्यवाद ज्ञापित किया।

अरावली बचाओ आंदोलन अभियान:

माननीय प्रधानमंत्री एवं माननीय नेता प्रतिपक्ष, नई दिल्ली व माननीय मुख्यमंत्री एवं माननीय नेता प्रतिपक्ष राजस्थान से आग्रह

मोहम्मद अली पठान

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। अरावली पर्वतमाला भारत की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखला है, जो गुजरात से राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली तक फैली है। यह उत्तर भारत को मरु स्थलीकरण से बचाने वाली प्राकृतिक ढाल है और भूजल, हवा व तापमान के संतुलन में इसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज अवैध खनन, वनों की कटाई और अनियंत्रित निर्माण के कारण अरावली का अस्तित्व गंभीर संकट में है। सुप्रीम कोर्ट को गुमराह कर अरावली की परिभाषा को संकुचित किया जाना माइनिंग माफिया को लाभ पहुँचाने वाला कदम है। अरावली को केवल खनिज क्षेत्र नहीं बल्कि एक जीवित परिस्थिति की तंत्र मानते हुए उसका संरक्षण आवश्यक है। अरावली को बचाना जल संकट, वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से लड़ने का मूल उपाय है। मैं सामाजिक कार्यकर्ता मो० मुश्ताक खान कायमखानी आपसे आग्रह करता हूँ कि सख़्त क़ानूनी संरक्षण और त्वरित ज़मीनी कार्रवाई के माध्यम से इस ऐतिहासिक पर्वत माला को बचाया जाए। यह आने वाली पीढ़ियों की ओर से किया गया एक आवश्यक आग्रह है।

लोक अदालत और उपभोक्ता अधिकार त्वरित न्याय की अमिट रोशनी है – डॉ. महेंद्र सौलंकी

-250768 भारतीयों ने उपभोक्ता अधिकार जागरुकता की शपथ ली

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार मील की ओर से उपभोक्ता अधिकारों के प्रति आम भारतीय में जागरूकता लाने के लिए 24 नवंबर से चलाये गये 30 दिवसीय कज्यूमर वॉइस न्यायोत्सव कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस को सम्पन्न हुआ। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग परिसर में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं अतिरिक्त जिला न्यायाधीश डॉ. महेंद्र कुमार सिंह सौलंकी ने उपभोक्ता दिवस की प्रिंस स्कुल के विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई रंगोली का जिला अभिभाषक संस्था के पदाधिकारियों के साथ अवलोकन किया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि एडिजे डॉ. सौलंकी का बैंड वादन से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए न्यायाधीश डॉ. महेंद्र कुमार सिंह सौलंकी ने कहा कि लोक अदालत और उपभोक्ता अधिकार त्वरित न्याय की अमिट रोशनी है। हरेक भारतीय को जीवन के लिए अत्यावश्यक सेवाओं के मामले में संवैधानिक अधिकार मिले हुए है। उनका सदुपयोग जागरूकता के साथ करना चाहिए। उन्होंने स्थाई लोक अदालत के प्रारूप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 11 अत्यावश्यक सेवाओं के मामले माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश की पीठ सुनवाई करती है। पीड़ित व्यक्ति आर्थिक रूप से कमजोर होते है, उन्हें विधिक सहायता भी उपलब्ध करवाई जाती है। उल्लेखनीय है कि 30 दिवसीय कंज्यूमर वॉइस न्यायोत्सव में लिए

गये लक्ष्य 1 लाख को मात्र 13 दिवस में हासिल करते हुए ढाई गुणा ज्यादा की संख्या में 250768 भारतीयों ने उपभोक्ता अधिकार जागरूकता की ऑनलाइन/ऑफलाइन शपथ लेकर ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है। कार्यक्रम में जिला आयोग के सदस्य प्रमेन्द्र कुमार सैनी, जिला अभिभाषक संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट सुभाष पुनियाँ, नवनिर्वाचित अध्यक्ष अधिवक्ता रतन मोरवाल, एडवोकेट विनोद गिल, फुलचन्द सैनी, राजेश बागोरिया, मो. अफरोज, अमजद अली, मो. कुर्बान, आलोक शर्मा, सुभाषचन्द्र शर्मा, विजय सिंह चौधरी, नईम खान, लोकेश सैनी, अजय स्वामी, रविन्द्र लाम्बा, उम्मेद सिंह, संदीप महला, रविन्द्र गोल्याण, राकेश सबल, पूजा कुमारी, अशोक मांजू, ओमप्रकाश सैनी, श्रवण सैनी, सुमेर सैनी, तेजवीर सिंह, राजेन्द्र सैनी अधिवक्ताओं के साथ जिला आयोग के सहायक प्रशासनिक अधिकारी भीम सिंह राजपुरोहित, वरिष्ठ सहायक चंदन सैनी, एजाज नबी, अमित शर्मा, मोहम्मद आदिल सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

दंत चिकित्सक दिवस पर गीतांजलि डेंटल ने जन-जन तक पहुँचाया मौखिक स्वास्थ्य का संदेश

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय दंत चिकित्सक दिवस (24 दिसंबर) के अवसर पर गीतांजलि डेंटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, उदयपुर द्वारा 22 दिसंबर 2025 से जनहित में विविध जागरूकता एवं सेवा गतिविधियों की शुरुआत की गई। इन गतिविधियों का उद्देश्य आमजन, विद्यार्थियों एवं मरीजों में मौखिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा, जो 31 दिसंबर 2025 तक निरंतर जारी रहेंगी।

कार्यक्रमों की श्रृंखला में विभिन्न विद्यालयों में दंत स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें बच्चों को दांतों की सही देखभाल, स्वच्छता और नियमित जांच के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ ही गीतांजलि डेंटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट परिसर में विशेष दंत शिविर का आयोजन किया गया,

जिसमें आमजन को निःशुल्क दंत परामर्श एवं विभिन्न दंत उपचारों पर विशेष छूट प्रदान की जा रही है जिसका लाभ उदयपुरवासी 31 दिसंबर तक ले सकते हैं । दंत चिकित्सक दिवस को रचनात्मक रूप से मनाते हुए अस्पताल के रिसेप्शन क्षेत्र में आकर्षक रंगोली सजाई गई, जिसे मरीजों एवं विद्यार्थियों द्वारा सराहा गया। अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को व्यक्तिगत रूप से मौखिक स्वास्थ्य संबंधी शिक्षा एवं परामर्श भी प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त, उदयपुर शहर की जनता तक मौखिक स्वास्थ्य का संदेश पहुँचाने हेतु विभिन्न एफएम रेडियो चैनलों के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम प्रसारित किए गए, जिससे व्यापक स्तर पर जनसंपर्क स्थापित हुआ। संस्थान के प्राचार्य डॉ. बालाजी मनोहर के मार्गदर्शन में आयोजित इन सभी गतिविधियों में सभी फैकल्टी मेंबर्स ने सक्रिय भाग लिया।

पोक्सो कोर्ट ने दुष्कर्मी को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई

-राज्य सरकार की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक हेम सिंह शेखावत ने की

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पोक्सो कोर्ट 2 चूरू के जिला न्यायाधीश संवर्ग अनिल कुमार गुप्ता ने आज एक फैसला सुनाते हुए एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त महेंद्र पुत्र नेमीचंद उम्र 32 साल निवासी झाझड़ों की ढाणी सिनोद पुलिस थाना खींवसर जिला नागौर हाल ननिहाल रतनपुरा थाना घुमड़वाली जिला श्रीगंगानगर को 20 साल के कठोर कारावास और बीस हजार रुपए के अर्थ दंड से दंडित किया है । उल्लेखनीय है कि महेंद्र के खिलाफ 14 वर्षीय एक बालिका के साथ दुष्कर्म करने का मुकदमा बीदासर थाना में दर्ज हुआ था। पीड़िता के दादा ने 15 सितंबर 2024 को थाने में हाजिर होकर रिपोर्ट दी थी। न्यायाधीश अनिल कुमार गुप्ता ने कहा कि अभियुक्त महेंद्र के प्रति नरमी का रुख अपनाया जाना न्यायोचित नहीं होगा। यहां राज्य सरकार की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक हेम सिंह शेखावत ने की। परिवादी की तरफ से सुरेन्द्र सिंह शेखावत ने और अभियुक्त की ओर से विजय सिंह ने पैरवी की।

अहान पांडे

पहले शाहरुख-रणबीर की नकल करते थे

डायरेक्टर ने कहा था छपरी टिकटॉकर, डेब्यू से पहले डिलीट कराए वीडियो

फिल्म 'सैयारा' से नेशन के हार्ट थ्रोब बन चुके अहान पांडे ने अपना 28वां जन्मदिन मनाया। मुंबई में जन्मे अहान पांडे बॉलीवुड में डेब्यू करने से पहले टिकटॉक पर शाहरुख खान और रणबीर कपूर जैसे कई स्टार्स की नकल करके वीडियो बनाते थे। 'सैयारा' फिल्म के डायरेक्टर मोहित सूरी ने अहान पांडे के पुराने टिकटॉक वीडियो डिलीट करवा दिए, क्योंकि वे क्रिंज या छपरी स्टाइल के थे, जो उनकी फिल्म 'सैयारा' के हीरो वाली इमेज से मेल नहीं खाते थे। यह फैसला फिल्म रिलीज से पहले लिया गया ताकि दर्शकों को अहान का वो वाला पक्ष न दिखे। अहान पांडे 'सैयारा' से पहले एक शॉर्ट फिल्म 'फिफ्टी' में अपने चाचा चंकी पांडे के साथ काम कर चुके थे। यह शॉर्ट फिल्म अहान ने खुद अपने दोस्तों के साथ मिलकर बनाई थी। बहरहाल, सैयारा से नेशन के हार्ट थ्रोब (दिल की धड़कन) बन चुके अहान पांडे की एक्टिंग की तारीफ युवाओं ने खूब की। इसे आमिर और शाहरुख खान के बेटों से बड़ा डेब्यू माना गया। अहान पांडे अब यशराज फिल्म्स की एक्शन-रोमांटिक फिल्म की तैयारी में जुट गए हैं। जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू होने वाली है। अहान पांडे बॉलीवुड स्टार चंकी पांडे के भतीजे और एक्ट्रेस अनन्या पांडे के कजिन हैं।

प्रतीक बब्बर के साथ स्क्रीन शेयर करना मजेदार रहा

प्रिया बनर्जी

पॉपुलर वेब सीरीज 'फोर मोर शॉट्स प्लीज' के चौथे और अंतिम सीजन में एक्ट्रेस प्रिया बनर्जी ने अपने पति प्रतीक बब्बर के साथ स्पेशल कैमियो किया है। यह शादी के बाद कपल का पहला ऑन-स्क्रीन कोलैबोरेशन है। प्रिया ने एक न्यूज एजेंसी से बात करते हुए इस अनुभव को मजेदार बताया। प्रिया ने कहा,' प्रतीक के साथ जिंदगी का नया चैप्टर शुरू करने के बाद स्क्रीन शेयर करना काफी खास लगा। शादी की तस्वीरें वायरल होने के बाद मेकर्स ने इस छोटे कैमियो के लिए उनसे संपर्क किया था।' प्रिया ने बताया, 'प्रतीक चाहता था कि मैं यह प्रोजेक्ट करूं, क्योंकि यह उनके सबसे पसंदीदा शो में से एक है। यह फैसला भी मैंने अचानक से लिया। मैंने सच में यह सिर्फ मजे और उनके साथ उस पल को स्क्रीन पर शेयर करने की खुशी के लिए किया। ' 'फोर मोर शॉट्स प्लीज' का चौथा सीजन हाल ही में प्राइम वीडियो पर रिलीज हुआ है, जो सीरीज का फाइनल सीजन है। इसमें मुख्य किरदारों के साथ प्रतीक अहम भूमिका में हैं, जबकि प्रिया का कैमियो दर्शकों के लिए सरप्राइज है। यह सीरीज चार महिलाओं की जिंदगी, दोस्ती, प्यार और चुनौतियों पर आधारित है। प्रिया इससे पहले भी प्रतीक के साथ काम कर चुकी हैं। इसी साल अक्टूबर में प्रतीक और प्रिया ने एक फैशन इवेंट में शानदार सफेद आउटफिट्स में साथ रैंप वॉक किया था। जब उनसे पूछा गया कि पत्नी के साथ या किसी दूसरी एक्ट्रेस के साथ रैंप वॉक ज्यादा मजेदार लगता है, तो प्रतीक ने बताया था कि प्रिया के साथ रैंप पर चलना उन्हें आत्मविश्वास के साथ खुशी भी देता है, जो किसी और के साथ नहीं मिलती। प्रिया और प्रतीक ने 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे पर करीबी परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में घर पर शादी की थी। कपल ने सोशल मीडिया पर अपनी शादी की खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट कर प्रशंसकों को जानकारी दी थी।

शिल्पा शेट्टी कुंद्रा ने आदित्य धर की धुरंधर की सराहना की

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी कुंद्रा ने आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म धुरंधर के कलाकारों की जमकर सराहना करते हुए इसे देशभक्ति की भावना से लैस सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक बताया है। धुरंधर पांच दिसंबर को रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रणवीर सिंह, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन, आर. माधवन और राकेश बेदी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म की कहानी कंधार विमान अपहरण, 2001 संसद हमला और 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों जैसी भू-राजनीतिक तथा आतंकवादी घटनाओं की पृष्ठभूमि में खुफिया एजेंसियों के गुप्त अभियानों पर आधारित है। शिल्पा शेट्टी कुंद्रा ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर सोमवार को एक वीडियो साझा किया जिसमें वह फिल्म के गीत एफए9एलए के चर्चित स्टेप (नृत्य) को करती नजर आ रही हैं। फिल्म में अक्षय खन्ना पर फिलमाया गया यह स्टेप काफी चर्चा में है। उन्होंने वीडियो साझा करते हुए लिखा कि रणवीर सिंह आपका समय आ गया है (8230) अभिनय सधा हुआ, बारीकियों से भरपूर था.. किरदार को पूरी तरह से निभाया।

कपिल शर्मा के शो-नेटफ्लिक्स पर कॉपीराइट उल्लंघन के आरोप

बिना परमिशन 3 गाने इस्तेमाल किए, बॉम्बे हाईकोर्ट में दर्ज हुई याचिका

नेटफ्लिक्स के पॉपुलर शो द कपिल शर्मा शो के खिलाफ पीपल परफॉर्मेंस लिमिटेड ने बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया है। आरोप हैं कि कपिल शर्मा के शो में 3 गानों का इस्तेमाल किया गया है, जिसके लिए उनसे प्रोड्यूसर्स या मेकर्स ने किसी तरह की परमिशन नहीं ली है। मिड डे की रिपोर्ट के अनुसार, पीपल द्वारा 12 दिसंबर को बॉम्बे हाईकोर्ट में कपिल शर्मा के शो के खिलाफ कमर्शियल याचिका दायर की गई है। कॉपीराइट नियमों का उल्लंघन का आरोप लगाते हुए याचिका में कहा गया है कि जून से सितंबर के बीच 3 लाइसेंसी गानों का इस्तेमाल बिना इजाजत किया गया है। आरोप- इन गानों का हुआ बिना इजाजत इस्तेमाल एम बोले तो, फिल्म मुन्नाभाई एमबीबीएस, रामा रे, फिल्म कांटे, सुबह होने न दे, फिल्म देसी बॉय्ज इन गानों का कॉपीराइट पीपल परफॉर्मेंस लिमिटेड इंडिया के पास है। बिना इजाजत इन गानों का इस्तेमाल कमर्शियल तौर पर करना कॉपीराइट कानून का उल्लंघन है। इन गानों का इस्तेमाल सिर्फ लाइसेंस होल्डर ही कर सकते हैं। पीपल परफॉर्मेंस लिमिटेड ने याचिका में मांग की है कि जल्द से जल्द कॉपीराइट वाले गानों का बिना लाइसेंस इस्तेमाल होने पर रोक लगाई जाए। इसके गैरकानूनी इस्तेमाल से हुई कमाई का खुलासा किया जाए और उल्लंघन से जुड़ी सामग्री जब्त की जाए।

इस साल बड़े पर्दे पर इन अभिनेत्रियों का चला सिक्का

हर किरदार में दिखाई गहराई

बॉलीवुड और भारतीय सिनेमा की कई अभिनेत्रियों ने दमदार अभिनय, जबरदस्त स्क्रीन प्रेजेंस और बहुमुखी प्रतिभा से पूरे साल स्क्रीन पर कब्जा जमाए रखा। रोमांस हो, ड्रामा हो, कॉमेडी हो या ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की कहानी, इन अभिनेत्रियों ने हर तरह के किरदार में अपनी अलग छाप छोड़ी

जान्हवी कपूर: जान्हवी कपूर ने इस साल अपने अभिनय का लोहा मनवाया। 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में उनकी कमर्शियल एनर्जी और कॉमिक टाइमिंग ने स्क्रीन पर जान डाल दी। दर्शकों ने उनके किरदार की हर मुस्कान और हर भावनात्मक पल को महसूस किया। इसके बाद 'परम सुंदरी' में उनका आत्मविश्वास गजब का रहा। वहीं, 'होमबाउंड' में जान्हवी ने सच्चाई और भावनात्मक गहराई से भरे किरदार को निभाया, जिसने दर्शकों के दिलों को छू लिया। यह फिल्म ऑस्कर के लिए शॉर्टलिस्ट हुई है।

यामी गौतम: यामी गौतम फिल्म 'हक' के जरिए दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतरी। इसमें उनका किरदार दृढ़, ईमानदार और भावनाओं से भरा था। दर्शकों की उम्मीदों के मुताबिक, यामी कहानी की आत्मा बनकर सामने आई। लोगों ने उनकी हर छोटी-बड़ी प्रतिक्रिया को महसूस किया। यह फिल्म उनके बारे में स्पष्ट करती है कि वे केवल शोर वाली फिल्मों का चुनाव नहीं करतीं, बल्कि ऐसी कहानी चुनती हैं जो दर्शकों को सोचने और महसूस करने पर मजबूर करे। 'हक' ने उन्हें हिंदी सिनेमा की सबसे प्रभावशाली अभिनेत्रियों में शामिल किया।

तृप्ति डिमरी : तृप्ति डिमरी ने 'धड़क 2' के जरिए अपने अभिनय की बहुमुखी प्रतिभा साबित की। इस फिल्म में प्यार, दिल टूटने, संघर्ष और जज्बे को उन्होंने इतनी सच्चाई और ईमानदारी से पेश किया कि दर्शक हर सीन में उनकी संवेदनशीलता को महसूस कर सकें। यह फिल्म उनके करियर के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई। तृप्ति ने दिखाया कि बड़े स्तर की कहानी भी बिना भावनात्मक संवेदनशीलता खोए, गहराई और सच्चाई के साथ निभाई जा सकती है।

अनीत पड्डा : अनीत पड्डा ने फिल्म 'सैयारा' से लोगों के दिलों में खास जगह बनाई। उनका अभिनय सहज था और भावनाओं से भरा था। उन्होंने अपने किरदार को इतनी खूबसूरती से पेश किया कि दर्शक पूरी कहानी में खो गए। यह फिल्म साबित करती है कि अनीत पड्डा आने वाले समय में सिनेमा की एक बड़ी ताकत बनने जा रही हैं।

रश्मिका मंदाना: इस साल रश्मिका मंदाना दो अलग-अलग शैली की फिल्मों के साथ उभरीं। 'छावा' में उन्होंने ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में गरिमा, दृढ़ता और संवेदनशीलता के साथ अभिनय किया। वहीं, 'थामा' में उन्होंने रोमांस, कॉमेडी, हॉरर और ड्रामा को सहजता से निभाकर अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाई। दोनों फिल्मों में रश्मिका ने यह साबित किया कि वे किसी भी जॉनर या चुनौतीपूर्ण भूमिका को सहजता और आत्मविश्वास के साथ निभा सकती हैं।

(साभार एजेंसी)

इस साल 90 मीटर की दूरी पार करने में सफल रहे नीरज चोपड़ा

डोपिंग के डंक ने एथलेटिक्स को सताया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय एथलेटिक्स के लिए 2025 का साल उतार चढ़ाव भरा रहा। भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने जहां 90 मीटर का आंकड़ा पार किया, लेकिन वह विश्व चैंपियनशिप में खिताब बरकरार नहीं रख सके। वहीं, डोपिंग ने भी भारतीय एथलेटिक्स को काफी सताया।

वर्ष 2025 अब समापन की ओर बढ़ रहा है। कुछ ही दिन बाद 2026 की शुरुआत हो जाएगी और 2025 का साल यादों में रह जाएगा। खेलों के लिहाज से यह साल भारत के लिए काफी अच्छा रहा, लेकिन एथलेटिक्स में उतार-चढ़ाव देखने को मिले। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा आखिरकार 90 मीटर की बाधा पार करने में सफल रहे, लेकिन डोपिंग के डंक ने एथलेटिक्स को काफी सताया।

विश्व चैंपियनशिप में नीरज के हाथ लगी निराशा

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज ने दोहा डायमंड लीग में भाला फेंक में मानक माने जाने वाले 90 मीटर की दूरी हासिल की लेकिन इसी वर्ष टोक्यो में विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पदक जीतने में नाकाम रहने से उन्हें निराशा भी हाथ लगी। इस प्रतियोगिता में युवा सचिन यादव ने चोपड़ा को पीछे छोड़ते हुए चौथा स्थान हासिल किया और इस तरह से भाला फेंक में विश्व स्तरीय खिलाड़ी बनने की अपनी क्षमता प्रदर्शित की।

कई एथलीट डोपिंग का हुए शिकार

डोपिंग का खतरा कम होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं क्योंकि कई शीर्ष भारतीय खिलाड़ी इसकी चपेट में आ गए। इनमें ओलंपियन भाला फेंक खिलाड़ी शिवपाल सिंह और एशियाई खेलों की पूर्व पदक विजेता चक्का फेंक की खिलाड़ी सीमा पुनिया भी शामिल हैं।

अपनी तरह के पहले मामले में एक एथलीट और उसके कोच की जोड़ी को डोपिंग के लिए निलंबित कर दिया गया, जबकि दो नाबालिग एथलीट भी डोपिंग में पकड़े गए। इन सबके बीच सकारात्मक पहलू यह रहा कि भारत ने दो विश्व एथलेटिक्स महाद्वीपीय टूर प्रतियोगिताओं की मेजबानी की। इनमें से एक में नीरज ने मेजबानी की और जीत हासिल की। भारत ने इसके अलावा 2031 में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप सहित कुछ प्रमुख महाद्वीपीय और विश्व स्तर की प्रतियोगिताओं की मेजबानी के लिए बोली लगाई है।

नीरज ने जीते तीन बड़े खिताब

नीरज ने पेरिस डायमंड लीग, गोल्डन स्पाइक मीट और एनसी क्लासिक के रूप में इस साल तीन बड़े खिताब जीते। उन्होंने घरेलू दर्शकों और परिवार के सदस्यों के सामने एनसी क्लासिक के रूप में विश्व स्तरीय प्रतियोगिता की मेजबानी करने का अपना सपना साकार किया। इस स्टार खिलाड़ी को हालांकि डायमंड लीग फाइनल में निराशा हाथ लगी और वह जर्मनी के जूलियन वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे। सबसे अप्रत्याशित परिणाम सितंबर में टोक्यो विश्व चैंपियनशिप में देखने को मिला। इस प्रतियोगिता में चोपड़ा 84.03 मीटर ही भाला फेंक सके और कुल मिलाकर आठवें स्थान पर रहे। भारत के एक अन्य खिलाड़ी सचिन यादव (86.27 मीटर) ने हालांकि अच्छा प्रदर्शन करके चौथा स्थान हासिल किया। भारत ने 10 अगस्त को भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर की कांस्य स्तरीय प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया। भारत ने 2028 एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 2026 एशियाई रिले के लिए भी बोली लगाई है। इसी बीच आदिल सुमारीवाला का भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल समाप्त हो गया और 2002 में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले गोला फेंक खिलाड़ी बहादुर सग्गू को उनकी जगह अध्यक्ष चुना गया।

इस साल शादी के बंधन में भी बंधे नीरज

भारतीय खेलों के नायक नीरज इस साल हिमाचल प्रदेश के एक निजी रिसॉर्ट में टेनिस खिलाड़ी हिमानी मोर के साथ परिणय सूत्र में बंधे। इस समारोह में कुछ करीबी रिश्तेदार और परिवार के सदस्य ही मौजूद थे। लोगों को इसके बारे में तभी पता चला जब नीरज ने खुद अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शादी की तस्वीरें पोस्ट कीं। इसके कुछ महीनों बाद नीरज ने अपना भाला 90.23 मीटर तक फेंका और ऐसा करने वाले एशिया के तीसरे और कुल मिलाकर 25वें खिलाड़ी बन गए।

पहली पत्नी की निधन के सात साल बाद इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ने रचाई शादी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एंड्रयू स्ट्रॉस ने पहली पत्नी की लंग कैंसर से निधन होने के बाद 48 साल की उम्र में दूसरी शादी की. स्ट्रॉस ने खुद से 18 साल छोटी एंटोनिया लिनिअस-पीट से शादी रचाई है. पहली पत्नी की लंग कैंसर से निधन होने के करीब 7 साल बाद इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एंड्रयू स्ट्रॉस ने दूसरी शादी रचाई ली है. स्ट्रॉस ने खुद से 18 साल छोटी अपनी गर्लफ्रेंड के साथ शादी की है. स्ट्रॉस की दूसरी पत्नी का नाम एंटोनिया लिनिअस-पीट है, जिनकी उम्र 30 साल है. स्ट्रॉस और एंटोनिया की ये शादी साउथ अफ्रीका के ऐतिहासिक शहर फ्रांसहोएक में एक निजी समारोह में 17 दिसंबर, 2025 को हुआ.

स्ट्रॉस की दूसरी शादी पर उनके दोनों बेटे थे मौजूद: स्ट्रॉस और एंटोनिया की शादी के मौके पर उनके दोनों बेटे सैमुअल और लुका भी मौजूद थे. स्ट्रॉस की पहली पत्नी रूथ का लंग कैंसर के कारण 29 दिसंबर, 2018 को निधन हो गया था. पहली पत्नी के निधन के बाद स्ट्रॉस लंबे समय तक अकेले रहे, लेकिन पिछले दो साल से वो एंटोनिया को डेट कर रहे थे और आखिरकार उन्होंने शादी रचा ली. शादी को बेहद निजी रखा गया था, जिसमें केवल परिवार के सदस्य ही शामिल हुए.

स्ट्रॉस की दूसरी पत्नी एंटोनिया कौन हैं?

एंटोनिया लिनिअस-पीट फिलहाल एक आर्ट एडवाइजरी कंपनी की डायरेक्टर हैं. इससे पहले वो एक पीआर एग्जीक्यूटिव थीं. एंटोनिया हांगकांग में पली-बढ़ी हैं और विल्टशायर के एक प्रतिष्ठित स्कूल से उनकी पढ़ाई हुई है. दो साल पहले एक कार्यक्रम के दौरान एंटोनिया और स्ट्रॉस की मुलाकात हुई थी, उसके बाद से दोनों ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया था.

अंडर-19 टीम के निराशाजनक प्रदर्शन पर बीसीसीआई गंभीर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम को 21 दिसंबर को दुबई में खेले गए एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल इस हार को गंभीरता से ले रही है और भारतीय टीम के निराशाजनक प्रदर्शन की समीक्षा बैठक करने वाली है। एक रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई ने सोमवार को ऑनलाइन एपेक्स काउंसिल मीटिंग के दौरान भारत के अंडर-19 एशिया कप में प्रदर्शन की समीक्षा करने का फैसला किया। बोर्ड के सदस्यों ने भारतीय टीम के प्रदर्शन की समीक्षा को जरूरी बताया। बोर्ड टीम मैनेजमेंट से पाकिस्तान के खिलाफ निराशाजनक हार पर जवाब मांग सकता है।

साथ ही हेड कोच ऋषिकेश कानिटकर और कप्तान आयुष म्हात्रे से भी अलग से बात की जा सकती है। अंडर-19 विश्व कप नजदीक है। भारतीय टीम का इस मेगा इवेंट के लिए अब तक ऐलान नहीं हुआ है। ऐसे में टीम की घोषणा से पूर्व एशिया कप में प्रदर्शन की समीक्षा जरूरी है। फाइनल के दौरान भारतीय खिलाड़ियों पर पाकिस्तान टीम मैनेजमेंट ने गलत बर्ताव का आरोप लगाया है। मैच के दौरान भारतीय टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे और सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी आउट होने के बाद पाकिस्तानी तेज गेंदबाज अली रजा से भिड़ गए थे। बीसीसीआई इस मुद्दे पर बात करेगा या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है। फाइनल के बाद पाकिस्तान टीम के मेंटर सरफराज अहमद और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने भारतीय खिलाड़ियों के व्यवहार को खेल भावना के विपरीत बताया। मोहसिन नकवी ने तो इस मुद्दे को आईसीसी के सामने उठाने की बात भी कही है।

आईपीएल की सनसनी कृष्णप्पा गौतम ने किया संन्यास का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक के दिग्गज ऑलराउंडरों में शुमार कृष्णप्पा गौतम ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी है. इसके साथ ही भारतीय घरेलू क्रिकेट में उनके 14 साल लंबे करियर का अंत हो गया. निचले क्रम में दमदार बल्लेबाज़ी और भरोसेमंद ऑफ-स्पिन के लिए पहचाने जाने वाले गौतम रणजी ट्रॉफी, आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक छोटे लेकिन यादगार सफर के लिए जाने जाते हैं.

2012 में किया रणजी डेब्यू

गौतम ने 2012 रणजी ट्रॉफी सीज़न में उत्तर प्रदेश के खिलाफ कर्नाटक के लिए अपना फर्स्ट क्लास डेब्यू किया और पहले ही मैच में शानदार प्रभाव डाला. अपने पहले मुकाबले में उन्होंने सुरेश रैना और भुवनेश्वर कुमार जैसे बड़े विकेट झटके. उनकी आक्रामक बल्लेबाज़ी और अहम मौकों पर विकेट निकालने की क्षमता ने जल्द ही उन्हें कर्नाटक की मजबूत टीम का अहम हिस्सा बना दिया.

2016 में बनाई खास पहचान

2016-17 का रणजी सीज़न उनके करियर का बड़ा मोड़ साबित हुआ, जब गौतम ने सिर्फ आठ मैचों में 27 विकेट लेकर खुद को एक सच्चे ऑलराउंडर के रूप में स्थापित किया. इसके अगले सीज़न में उन्होंने मैसूरु में असम के खिलाफ अपना पहला फर्स्ट क्लास शतक जड़ा, जिससे बल्ले और गेंद दोनों से मैच को प्रभावित करने की उनकी क्षमता और मजबूत हुई. अपने घरेलू करियर में गौतम ने 59 फर्स्ट क्लास और 68 लिस्ट-ए मैचों में 320 से अधिक विकेट हासिल किए, साथ ही निचले क्रम में कई अहम रन भी जोड़े. वह 2023 तक कर्नाटक क्रिकेट का नियमित हिस्सा बने रहे. इसके बाद भले ही उन्हें राज्य टीम से बाहर कर दिया गया हो, लेकिन घरेलू सर्किट पर उनका कुल प्रभाव बेहद अहम रहा. उनकी निरंतरता का इनाम उन्हें कई बार इंडिया-ए टीम में चयन के रूप में मिला, जहां उन्होंने न्यूज़ीलैंड ए, वेस्टइंडीज ए, ऑस्ट्रेलिया ए और इंग्लैंड लायंस के खिलाफ मुकाबले खेले. 2021 में भारतीय टीम के नेट गेंदबाज़ समूह का हिस्सा रहने के बाद उन्हें श्रीलंका दौरे के लिए राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया. कोलंबो में खेले गए एक वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच में उन्होंने भारत के लिए अपना एकमात्र अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला और एक विकेट लिया.

आईपीएल का करियर रहा शानदार

आईपीएल में कृष्णप्पा गौतम ने मुंबई इंडियंस, राजस्थान रॉयल्स, पंजाब किंग्स, चेन्नई सुपर किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स का प्रतिनिधित्व किया. उनकी नीलामी यात्रा अक्सर चर्चा में रही, जिसका शिखर 2021 में देखने को मिला जब चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें 9.25 करोड़ रुपये में खरीदा, जो उनके करियर की सबसे ऊंची कीमत थी. नौ आईपीएल सीज़नों में उन्होंने 35 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की और कई यादगार प्रदर्शन किए. उनके टी20 करियर का सबसे यादगार लम्हा 2019 कर्नाटक प्रीमियर लीग में आया. बेल्लारी टस्कर्स की ओर से खेलते हुए गौतम ने 56 गेंदों पर 134 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 13 छक्के शामिल थे.

ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड: पैट कमिंस एशेज का एक मैच खेलकर हुए बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ एशेज 2025-26 का खिताब रिटेन करते हुए सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली है। एडिलेड टेस्ट में लंबे समय के बाद टीम में वापसी करने वाले पैट कमिंस अब सीरीज के चौथे मुकाबले से बाहर हो गए हैं। स्टीव स्मिथ की टीम में वापसी हुई है और वह मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया की कमान संभालेंगे। चौथा मुकाबला बॉक्सिंग डे टेस्ट होगा जो 26 दिसंबर से मेलबर्न में खेला जाएगा। पैट कमिंस ने एडिलेड टेस्ट में बतौर कप्तान शानदार जीत हासिल की थी और ऑस्ट्रेलिया को अजेय बढ़त दिलाई। उन्होंने गेंदबाजी में भी 3-3 विकेट दोनों पारियों में झटके थे। हालांकि, मैच के बाद ही उन्होंने कह दिया था शायद वह अगला मैच नहीं खेल पाएंगे। अब उनकी जगह चौथे टेस्ट में स्टीव स्मिथ लौटेंगे और टीम की कमान संभालेंगे। स्मिथ की कप्तानी में टीम ने पहले दोनों मैच पर्थ और ब्रिसबेन में जीते थे।

पैट कमिंस के बाहर होने का कोई खास कारण उनकी इंजरी जैसा नहीं है, बल्कि वर्कलोड मैनेज करने और इंजरी के बाद तुरंत आने के कारण चौथे टेस्ट से कमिंस को आराम दिया गया है। वहीं नाथन लियोन जो एडिलेड में चोटिल हो गए थे बॉक्सिंग डे टेस्ट का हिस्सा नहीं हो पाएंगे। उनकी जगह टॉड मर्फी को स्क्वाड में जोड़ा गया है और झाय रिचर्डसन को भी स्क्वाड में जगह मिली है। अभी यह तय नहीं है कि प्लेइंग 11 क्या होगी। कमिंस की जगह रिचर्डसन खेल सकते हैं। वहीं लियोन की जगह मर्फी को मौका मिल सकता है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले तीन मैच जीतकर सीरीज अपने नाम कर चुकी है।

भारतीय महिला क्रिकेटरों की सैलरी में जबरदस्त बढ़ोतरी, बीसीसीआई ने लागू की नई वेतन व्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट के लिए यह एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। बीसीसीआई ने घरेलू सर्किट में खेलने वाली महिला क्रिकेटरों और मैच अधिकारियों की मैच फीस में बड़ी बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। नए वेतन ढांचे के तहत खिलाड़ियों की प्रतिदिन की कमाई में करीब 2.5 गुना तक इजाफा किया गया है। यह फैसला भारत की महिला टीम के 2025 आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप जीतने के बाद लिया गया है, जहां टीम इंडिया ने पहली बार खिताब अपने नाम किया था।

वेतन असमानता खत्म करने की दिशा में बड़ा कदम

बीसीसीआई का यह फैसला महिला क्रिकेट में लंबे समय से चली आ रही वेतन असमानता को कम करने की दिशा में अहम माना जा रहा है। खिलाड़ियों के साथ-साथ मैच अधिकारियों की फीस में भी बढ़ोतरी कर बोर्ड ने यह साफ कर दिया है कि वह पूरे महिला क्रिकेट इकोसिस्टम को मजबूत करना चाहता है।

वेतन संरचना में सुधार, समान और बढ़ी हुई संरचना:

सीनियर महिला टूर्नामेंट: प्लेइंग इलेवन: 50,000 प्रति दिन, रिज़र्व खिलाड़ी: 25,000 प्रति दिन

टी20 मैच: प्लेइंग इलेवन: 25,000 प्रति दिन, रिज़र्व खिलाड़ी: 12,500 प्रति दिन

जूनियर महिला टूर्नामेंट: प्लेइंग इलेवन: 25,000 प्रति दिन, रिज़र्व खिलाड़ी: ?12,500 प्रति दिन

जूनियर टी20 मैच: प्लेइंग इलेवन: 12,500 प्रति दिन, रिज़र्व खिलाड़ी: 6,250 प्रति दिन

नए वेतन ढांचे के तहत सीनियर महिला टूर्नामेंट में प्लेइंग इलेवन का हिस्सा बनने वाली खिलाड़ियों की प्रतिदिन मैच फीस 20,000 रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये कर दी गई है। वहीं अब सीनियर टीम के रिजर्व खिलाड़ियों को 10,000 रुपये की जगह 25,000 रुपये प्रतिदिन मिलेंगे, जिससे टीम के हर सदस्य को आर्थिक सुरक्षा मिलेगी।

जूनियर और टी20 टूर्नामेंट्स में भी बढ़ी कमाई

जूनियर महिला टूर्नामेंट्स में खेलने वाली खिलाड़ियों की फीस भी बढ़ा दी गई है। अब जूनियर प्लेइंग इलेवन को 25,000 रुपये और रिजर्व खिलाड़ियों को 12,500 रुपये प्रतिदिन मिलेंगे। वहीं टी20 मुकाबलों में यह राशि आधी रहेगी, लेकिन पहले के मुकाबले यह बढ़ोतरी काफी अहम मानी जा रही है।

महिला क्रिकेट को प्रोफेशनल बनाने पर बीसीसी का फोकस

यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब महिला क्रिकेट को लेकर दर्शकों की रुचि और वैश्विक स्तर पर इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। जय शाह के कार्यकाल में शुरू हुए सुधारों को आगे बढ़ाते हुए मौजूदा बीसीसीआई नेतृत्व महिला क्रिकेट को और ज्यादा प्रोफेशनल बनाने पर जोर दे रहा है।

नया वेतन ढांचा बनेगा घरेलू खिलाड़ियों का मजबूत आधार

नया वेतन ढांचा घरेलू महिला क्रिकेटरों के लिए एक मजबूत आधार तैयार करेगा। इससे खिलाड़ियों को आर्थिक स्थिरता मिलेगी और आने वाले समय में महिला क्रिकेट को और ज्यादा प्रतिस्पर्धी व टिकाऊ बनाने में यह फैसला अहम भूमिका निभाएगा।

हॉकी इंडिया का बड़ा ऐलान: आगामी लीग के लिए फैंस को मिलेंगे मुफ्त टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉकी इंडिया ने हॉकी इंडिया लीग 2025-26 को लेकर बड़ा ऐलान करते हुए बताया है कि आगामी सीजन के मुकाबलों के लिए दर्शकों को मुफ्त टिकट उपलब्ध कराए जाएंगे। इसका मकसद देश के अलग-अलग शहरों में हॉकी के प्रति फैंस की भागीदारी बढ़ाना और खेल को और अधिक लोकप्रिय बनाना है। महिला हॉकी इंडिया लीग की शुरुआत 28 दिसंबर से रांची में होगी और यह टूर्नामेंट 10 जनवरी तक चलेगा। वहीं, पुरुष हॉकी इंडिया लीग का आगाज 3 जनवरी से चेन्नई में होगा, जिसके बाद मुकाबले 11 जनवरी से रांची में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का अंतिम चरण हॉकी के गढ़ माने जाने वाले भुवनेश्वर में 17 से 26 जनवरी के बीच आयोजित होगा। हॉकी इंडिया लीग की गवर्निंग कमेटी के चेयरपर्सन दिलीप तिर्की ने कहा, 'हमने एक बार फिर फैसला किया है कि चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में होने वाले सभी मुकाबलों के लिए हॉकी प्रेमियों को मुफ्त टिकट दिए जाएंगे। महिला लीग रांची में होगी, जबकि पुरुषों की लीग तीन शहरों में खेली जाएगी।

ग्लोबल चैस लीग: त्रिवेणी ट्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स और अल्पाइन पाइपर्स दूके बीच होगा फाइनल

मुंबई, एजेंसी। कल दो बार की विजेता डिफेंडिंग चैंपियन ट्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स टेक महिंद्रा ग्लोबल चेस लीग के फ़ाइनल में लगातार तीसरे साल खिताब जीतने के लिए उतरेगी और उनके सामने होंगी पहली बार फाइनल पहुँचने वाली एसजी अल्पाइन पाइपर्स जबकि तीसरे स्थान के लिए होने वाले मुक़ाबले में डी गुकेश के नेतृत्व वाली टीम पीजीबी अलस्कन नाइट्स और विश्वनाथन आनंद के नेतृत्व वाली गैंगेज ग्रैंड मास्टर्स के बीच मुकाबला होगा । यह फाइनल बेस्ट ऑफ़ दो मुक़ाबले के फॉर्मेट पर आधारित होगा । आज लीग चरण के तीन अंतिम मुक़ाबले खेले गए जिसमें सबसे पहले फ़ाइनल में जगह

बना चुकी त्रिवेणी ट्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स नें आइकॉन बोर्ड पर अलीरेजा फ़िरोज़ा की मैक्सिम लाग्रेव पर और सुपरस्टार बोर्ड पर वे यी की वेस्ली सो पर जीत के दम पर 10-9 के करीबी मुक़ाबले में मुम्बा मास्टर्स को पराजित करते हुए उनकी फ़ाइनल पहुँचने की उम्मीद तोड़ दी और उन्हें तीसरे स्थान के मुक़ाबले की दौड़ से बाहर कर दिया । इसके बाद हुए दिन के दूसरे मुक़ाबले में गैंगेज़ ग्रैंड मास्टर्स नें अमेरिकन गैम्बिट को 12-3 की करारी मात देते हुए खुद को दूसरे स्थान पर पहँचा दिया अब एसजी अल्पाइन को अपने आखिरी मुक़ाबले में कम से कम छह गेम अंक अर्जित करने थे.

भारतीय खेल मंत्रालय का बड़ा फैसला, फुटबॉल महासंघ समेत सभी चुनाव स्थगित करने की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खेल मंत्रालय ने नया कदम उठाते हुए राष्ट्रीय खेल महासंघ को भारतीय फुटबॉल महासंघ समेत सभी चुनावों को 31 दिसंबर 2026 तक टालने की मंजूरी दी है। 22 दिसंबर 2025 को मंत्रालय द्वारा जारी एक लेटर के माध्यम से सभी महासंघों को जानकारी दी गई है। हाल ही में पारित राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम द्वारा आवश्यक मूलभूत परिवर्तनों को लागू करने के लिए, महासंघों को दिसंबर 2026 तक चुनाव स्थगित करने की अनुमति दी जाएगी। मंत्रालय द्वारा सभी महासंघों और आईओए (भारतीय ओलंपिक संघ) को भेजे गए लेटर के अनुसार, 'एनएसजी अधिनियम, 2025 के तहत अ नु पा ल न आवश्यकताओं के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा बलों को एक सटीक चुनावी संरचना और प्रक्रियाएं स्थापित करने और एनएसएफ के संविधान/नियमों को एनएसजी अधिनियम के अनुरूप बनाने के लिए पर्याप्त तैयारी का समय आवश्यक है। '

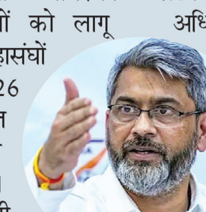

राष्ट्रीय सुरक्षा बल (एनएसएफ) को अपनी आम सभा का फिर से गठन करने और यह सुनिश्चित करने के लिए उचित उपाय खोजने होंगे कि सभी सदस्य और इकाइयां एनएसजी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार ही हों।

भारत ने चक्रवात से उबरने में श्रीलंका की मदद के लिए 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर के पैकेज का प्रस्ताव दिया

» **कोलंबो, भाषा।**

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि भारत को चक्रवात दित्वा के दौरान श्रीलंका के साथ खड़ा रहने पर गर्व है और उसने द्वीप देश को 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर के सहायता पैकेज का प्रस्ताव दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विशेष दूत के रूप में श्रीलंका आए जयशंकर ने ये टिप्पणियां श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेरात की मौजूदगी में कीं। उन्होंने मोदी का एक पत्र राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके को भी सौंपा। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, चक्रवात दित्वा के दौरान श्रीलंका के साथ खड़े रहने पर भारत को गर्व है।

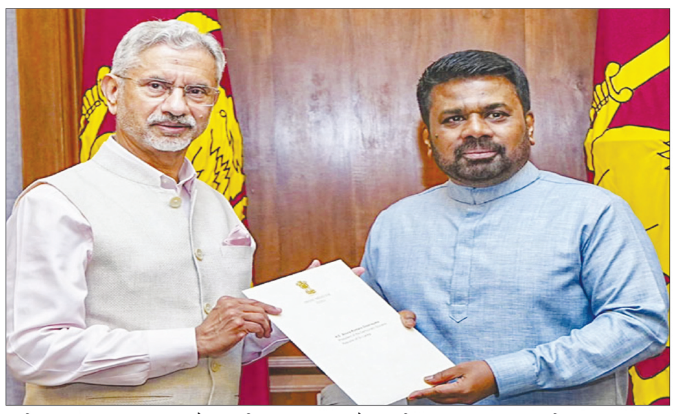

श्रीलंका की दो दिवसीय यात्रा पर आए जयशंकर ने कहा, श्रीलंका 2022 के आर्थिक संकट से उबर ही रहा था कि तभी इस प्राकृतिक आपदा ने नई कठिनाइयां पैदा कर दी हैं। जयशंकर ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने निर्देश दिया कि हम श्रीलंका सरकार की प्राथमिकताओं को लेकर उनसे बातचीत करें। उस संदर्भ में हमने जिस सहायता पैकेज का प्रस्ताव दिया है उसकी राशि 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर है। उन्होंने कहा, पैकेज में 35 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रियायती ऋण और 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर की अनुदान सहायता शामिल होगी। उन्होंने कहा, श्रीलंका सरकार के साथ परामर्श करके इस पैकेज को अंतिम रूप दिया जा रहा है। हमारी सहायता उन क्षेत्रों को कवर करेगी जो चक्रवात से सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं, जिनमें पहला क्षेत्र- सड़क, रेल और पुल संपर्क की पुनः बहाली है। उन्होंने कहा, दूसरा- जो घर पूरी तरह नष्ट हो गए हैं और जिन्हें आंशिक नुकसान हुआ है, उनके निर्माण में मदद करना। तीसरा- स्वास्थ्य और शिक्षा प्रणालियों के लिए सहयोग, खासकर वे जो चक्रवात से क्षतिग्रस्त हुई हैं। चौथा- कृषि क्षेत्र, जिसमें अल्पावधि और मध्यम अवधि में संभावित कमी से निपटने के उपाय शामिल हैं तथा पांचवां क्षेत्र- बेहतर आपदा प्रतिक्रिया और तैयारियों की दिशा में काम करना है।

जयशंकर ने कहा कि नुकसान के पैमाने को देखते हुए भारत का श्रीलंका की मदद के लिए आगे आना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि दित्वा के श्रीलंका पहुंचने के पहले ही दिन भारत का ऑपरेशन सागर बंधु शुरू हो गया था। उन्होंने कहा, हमारे विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत और आईएनएस उदयगिरि कोलंबो में मौजूद थे और उन्होंने राहत सामग्री पहुंचाई, जिसके बाद हेलीकॉप्टर तैनात किए गए। उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना के कई एमआई-17 हेलीकॉप्टर ने श्रीलंका में दो सप्ताह से अधिक समय तक मदद पहुंचाई जबकि 80 सदस्यीय राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीम ने बचाव और राहत कार्य किया। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सागर बंधु के तहत कुल मिलाकर 1,100 टन से अधिक राहत सामग्री पहुंचाई गई, जिसमें सूखा राशन, तंबू, तिरपाल, स्वच्छता किट, आवश्यक वस्त्र और जल शोधन किट शामिल थीं। जयशंकर ने कहा कि करीब 14.5 टन दवाइयां और चिकित्सकीय उपकरण भी उपलब्ध कराए गए।

धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा करने और कानून का शासन बहाल करने का आह्वान

अमेरिकी सांसदों ने बांग्लादेश में हिंदू व्यक्ति की हत्या की निंदा की

» **न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, भाषा।**

अमेरिकी सांसदों ने बांग्लादेश में एक हिंदू व्यक्ति की भीड़ द्वारा पीट-पीट कर की गई हत्या की निंदा की और अधिकारियों से धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा करने और कानून के शासन को बहाल करने का आह्वान किया है। कांग्रेस सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने बढ़ती अस्थिरता और अशांति के बीच दीपू चंद्र दास की भीड़ द्वारा की गई हत्या की कड़ी निंदा की। इलिनॉय से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद कृष्णमूर्ति ने बांग्लादेशी अधिकारियों से जवाबदेही सुनिश्चित करने, धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा करने और कानून का शासन बहाल करने का आह्वान किया।

कृष्णमूर्ति ने रविवार को एक बयान में कहा, बांग्लादेश में एक हिंदू व्यक्ति दीपू चंद्र दास की भीड़ द्वारा की गई हत्या से मैं स्तब्ध हूं- यह हिंसा का एक ऐसा कृत्य है जो खतरनाक अस्थिरता और अशांति के दौर में हुआ है। उन्होंने कहा, अधिकारियों ने गिरफ्तारियों की सूचना दी है, लेकिन बांग्लादेश सरकार को पूरी तरह से पारदर्शी जांच करनी चाहिए और सभी दोषियों को कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा देनी चाहिए। उसे हिंदू समुदायों और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों को हिंसा से बचाने के लिए तत्काल कार्रवाई भी करनी चाहिए। सभी बांग्लादेशियों के हित में, इस अशांति का अंत होना चाहिए और कानून का शासन कायम होना चाहिए। न्यूयॉर्क विधानसभा की सदस्य जेनिफर राजकुमार ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ जारी हिंसा से वह बेहद परेशान हैं, जिसका सबसे हालिया उदाहरण दास की निर्मम हत्या है। उन्होंने कहा, भीड़ ने उन्हें पीटा, आग लगा दी और उनके शव को राजमार्ग पर छोड़ दिया। बताया जा रहा है कि अधिकारियों ने इस जघन्य अपराध के सिलसिले में 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। राजकुमार ने कहा कि यह घटना बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ धार्मिक उत्पीडन् और लक्षित हिंसा की चिंताजनक प्रवृत्ति का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद के अनुसार अगस्त 2024 से जुलाई 2025 तक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की 2,442 घटनाएं हुई और 150 से अधिक मंदिरों में तोडफ़ोड़ की घटनाएं हुईं।

जयशंकर ने श्रीलंकाई प्रधानमंत्री अमरसूर्या से मुलाकात की, पुनर्निर्माण में मदद की प्रतिबद्धता दोहराई

कोलंबो, भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या से मुलाकात की और चक्रवात दित्वा के बाद श्रीलंका के पुनर्निर्माण के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता को लेकर आश्वस्त किया। जयशंकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विशेष दूत के रूप में दो दिवसीय श्रीलंका दौरे पर हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, आज कोलंबो में श्रीलंका की प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अमरसूर्या से मिलकर बहुत अच्छा लगा। मैंने उन्हें चक्रवात दित्वा के बाद श्रीलंका के पुनर्निर्माण के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया। भारत द्वारा प्रस्तावित पुनर्निर्माण पैकेज हमारे दोनों देशों के बीच गहरे संबंधों का प्रतीक है। जयशंकर और श्रीलंकाई विदेश मंत्री विजिता हेरात ने उत्तरी प्रांत के किलिनोच्ची जिले में 120 फुट लंबे दोहरी लेन वाले बेली ब्रिज का संयुक्त रूप से उद्घाटन भी किया। जयशंकर ने पोस्ट किया, राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके की उपस्थिति में विदेश मंत्री एच.एम. विजिथा हेरात के साथ संयुक्त रूप से उत्तरी प्रांत के किलिनोच्ची जिले में 120 फुट लंबे दोहरी लेन वाले बेली ब्रिज का उद्घाटन किया गया। यह जिला चक्रवात दित्वा से बुरी तरह प्रभावित क्षेत्रों में से एक है। 110 टन वजनी इस पुल को भारत से हवाई मार्ग से लाया गया और ऑपरेशन सागर बंधु के तहत स्थापित किया गया। इससे पहले दिन में, जयशंकर ने राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात की जयशंकर ने पोस्ट किया कि उन्होंने उन्हें चक्रवात दित्वा के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से दिसानायक को एकजुटता का संदेश दिया। पोस्ट में कहा गया है, ऑपरेशन सागर बंधु के तहत हमारी सबसे पहले प्रतिक्रिया देने की भूमिका को आगे बढ़ाते हुए, भारत श्रीलंका को 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर के पुनर्निर्माण पैकेज के लिए प्रतिबद्ध है। इसके तहत पुनर्वास और सड़क रेलवे और पुल संपर्क की बहाली, पूरी तरह से नष्ट और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त घरों का निर्माण, स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों, खासकर उन क्षेत्रों के लिए सहायता शामिल जिन्हें चक्रवात के कारण नुकसान हुआ है। विदेश मंत्री के पोस्ट में लिखा है कि कृषि क्षेत्र में अल्पावधि और मध्यम अवधि में संभावित कमी से निपटने के उपाय करना तथा बेहतर आपदा प्रतिक्रिया और तैयारियों की दिशा में भी काम करना शामिल है।

बांग्लादेश में हिंदू व्यक्ति की हत्या और हिंसा पर गुतारेस ने चिंता व्यक्त की

संयुक्त राष्ट्र, भाषा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने बांग्लादेश में एक हिंदू व्यक्ति की हत्या और हिंसा की अन्य घटनाओं पर चिंता व्यक्त की है। महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने सोमवार को दैनिक प्रेस वार्ता में कहा, हां, बांग्लादेश में हमने जो हिंसा देखी है उससे हम बहुत चिंतित हैं। वे बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों, विशेष रूप से पिछले कुछ दिनों में हिंदुओं की पीट-पीट कर की गई हत्याओं की घटनाओं पर महासचिव की प्रतिक्रिया से संबंधित एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने कहा, चाहे बांग्लादेश हो या कोई अन्य देश, इस बात की जरूरत है कि ऐसे लोग जो बहुसंख्यक वर्ग से बाहर हैं वे सुरक्षित महसूस करें और सभी बांग्लादेशी सुरक्षित महसूस करें। हमें विश्वास है कि सरकार प्रत्एक बांग्लादेशी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। पिछले सप्ताह बलुका में ईशनिंदा के आरोप में कपड़ा कारखाने में काम करने वाले श्रमिक दीपू चंद्र दास (25) की भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी थी और उसके शव को आग लगा दी। दास की हत्या के सिलसिले में रविवार को दो और लोगों को गिरफ्तार किया गया। समाचारपत्र डेली स्टार ने पुलिस और रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) के सूत्रों के हवाले से बताया कि इन गिरफ्तारियों के साथ अब तक हत्या में कथित संलिप्तता के आरोप में 12 लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर टर्क ने कहा है कि वह बांग्लादेश में पिछले साल हुए विरोध प्रदर्शनों के नेता शरीफ उस्मान बिन हादी की हत्या से बेहद चिंतित हैं। हादी को कुछ दिन पूर्व बदमाशों ने गोली मार दी थी जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

न्यूज ब्रीफ

टेक्सास के पास मेक्सिको नौसेना का विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से पांच लोगों की मौत

» **गैलवेस्टन (अमेरिका), भाषा।**

मेक्सिको की नौसेना का एक छोटा विमान सोमवार को गैलवेस्टन के समीप दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और टेक्सास तट पर अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। इस विमान में एक मरीज और सात अन्य लोग सवार थे। मेक्सिको की नौसेना ने एक बयान में कहा कि विमान में सवार आठ लोगों में से चार नौसेना के अधिकारी थे और चार आम नागरिक थे, जिनमें एक बच्चा भी शामिल था। बहरहाल, यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो सका कि मरने वालों में कौन-कौन शामिल हैं। विमान में सवार दो लोग मिचू और माउ फाउंडेशन के सदस्य थे, जो एक गैर-लाभकारी संस्था है और गंभीर रूप से झुलसे मेक्सिकन बच्चों को सहायता प्रदान करती है।

अमेरिकी तटरक्षक बल ने पुष्टि की कि दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हुई है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। यह दुर्घटना सोमवार दोपहर को गैलवेस्टन के पास हुई। गैलवेस्टन, ह्यूस्टन से लगभग 80.5 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में टेक्सास तट पर स्थित है। मेक्सिको की नौसेना ने बयान में बताया कि विमान एक चिकित्सकीय मिशन में सहायता कर रहा था और उसके साथ दुर्घटना हो गई। गैलवेस्टन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने कहा कि गोताखोर दल, अपराध दल, ड्रोन इकाई और गश्ती दल के अधिकारी मौके पर तैनात हैं। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो सका कि मौसम इस दुर्घटना का कारण था या नहीं। हालांकि, राष्ट्रीय मौसम सेवा के मौसम विज्ञानी कैमरन बैटिस्ट के अनुसार पिछले कुछ दिनों से इस क्षेत्र में कोहरे की स्थिति बनी हुई है।

सामूहिक रूप से अपहृत किए गए 130 स्कूली बच्चों और शिक्षकों का रिहाई के बाद स्वागत

» **मिना (नाइजीरिया), भाषा।**

नाइजीरिया में देश के इतिहास के सबसे बड़े सामूहिक अपहरणों में से एक के बाद रिहा किए गए 130 स्कूली बच्चों और शिक्षकों को सोमवार को पहली बार सार्वजनिक रूप से देखा गया। सरकारी समारोह में आए कुछ बच्चे कुपोषित या सदमे की स्थिति में नजर आए। पुलिस ने बताया कि इन्हें रविवार को मुक्त कराया गया। एक महीने पहले हथियारबंद लोगों ने नाइजर राज्य के पापीरी समुदाय में स्थित एक कैथोलिक स्कूल पर तड़के हमला कर इन बच्चों और शिक्षकों का अपहरण कर लिया था। अधिकारियों ने कहा कि बच्चों को क्रिसमस से पहले उनके परिवारों से मिलाने की तैयारी की जा रही है। इससे पहले अधिकारियों ने बताया था कि 303 स्कूली बच्चों और 12 शिक्षकों का अपहरण किया गया था, जिनमें से 50 बच्चे कुछ ही घंटों में भाग निकले थे।

हालांकि, सोमवार को नाइजर राज्य के गवर्नर मोहम्मद बागो ने संकेत दिया कि कुल 230 लोगों को अगवा किया गया था और अब सभी को रिहा कर दिया गया है। स्कूलों से अपहरण की घटनाएं अफ्रीका के सबसे अधिक आबादी वाले देश नाइजीरिया में असुरक्षा की पहचान बन गई हैं। अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि क्या फिरौती दी गई। किसी समूह ने अब तक अपहरण की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन स्थानीय लोगों ने उत्तर नाइजीरिया में सक्रिय हथियारबंद गिरोहों पर आरोप लगाया, जो फिरौती के लिए स्कूलों और यात्रियों को निशाना बनाते हैं। स्कूल के अनुसार, हमले में अगवा किए गए अधिकतर बच्चों की उम्र 10 से 17 वर्ष के बीच है। पहले रिहा किए गए एक बच्चे ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि हमले के दौरान बंदूकधारियों ने उन्हें गोली मारने की धमकी दी थी। नाइजीरिया के सेंटर फॉर काउंटर टेररिज्म के राष्ट्रीय समन्वयक मेजर जनरल अदामू गरबा लाका ने सोमवार के कार्यक्रम में कहा कि सरकार उच्च जोखिम वाले इलाकों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए समुदाय के नेताओं के साथ मिलकर काम करेगी।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में हमले में पांच पुलिसकर्मियों की मौत

» **पेशावर, भाषा।**

पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मंगलवार को अज्ञात हथियारबंद हमलावरों द्वारा एक पुलिस वैन पर गोलीबारी किए जाने के कारण पांच पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना करक जिले में उस समय हुई जब पुलिसकर्मी नियमित गश्त पर थे। जिला पुलिस अधिकारी सऊद खान ने बताया कि वैन में पांच पुलिसकर्मी सवार थे और वे सभी हमले में मारे गए हैं। उन्होंने बताया कि घटना के बाद पुलिस के एक बड़े दल ने मौके पर पहुंचकर क्षेत्र की घेराबंदी की और साक्ष्य जुटाने आरंभ किए।

बांग्लादेश ने दूतावासों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं को लेकर भारतीय उच्चायुक्त को तलब किया

» **ढाका, भाषा।**

भारत में बांग्लादेश के दूतावासों की सुरक्षा को लेकर चिंताओं के मद्देनजर बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को मंगलवार को विदेश मंत्रालय में तलब किया गया। बांग्लादेश के विदेश सचिव असद आलम सियाम ने भारत के उच्चायुक्त को तलब किया और उस समय उप उच्चायुक्त भी मौजूद थे। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वर्मा को 20 दिसंबर 2025 को नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग और आवास के परिसर के बाहर हुई।

अप्रिय घटनाओं और 22 दिसंबर को सिलीगुड़ी में स्थित वीजा केंद्र में विभिन्न चरमपंथी तत्वों द्वारा की गई तोडफ़ोड़ पर ढाका की गंभीर चिंता से अवगत कराया गया। बयान में कहा गया है, बांग्लादेश ने भारत में बांग्लादेश के विभिन्न दूतावासों के परिसरों के बाहर आयोजित हिंसक प्रदर्शनों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। बयान में कहा गया है कि बांग्लादेश राजनयिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ जानबूझकर की गई हिंसा या धमकी के ऐसे कृत्यों की निंदा करता है, जो न केवल दूतावास के कर्मियों की सुरक्षा को खतरे में डालते हैं, बल्कि आपसी सम्मान के सिद्धांतों और शांति एवं सहिष्णुता के मूल्यों को भी कमजोर करते हैं। इसमें कहा गया है, बांग्लादेश सरकार ने भारत सरकार से इन घटनाओं की गहन जांच करने, इस तरह के कृत्यों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने और भारत में बांग्लादेश के दूतावासों और संबंधित प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान किया है। इसमें कहा गया है कि ढाका को उम्मीद है कि भारत सरकार दूतावास कर्मियों और प्रतिष्ठानों की गरिमा और सुरक्षा के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय और राजनयिक दायित्वों के अनुरूप तुरंत उचित कदम उठाएगी। पिछले 10 दिनों में यह दूसरी बार है जब वर्मा को विदेश मंत्रालय में तलब किया गया है। अंतरिम सरकार के कार्यकाल के दौरान उच्चायुक्त को विभिन्न घटनाओं के सिलसिले में कम से कम छह बार तलब किया जा चुका है। इससे पहले वर्मा को 14 दिसंबर को विदेश मंत्रालय में तलब किया गया था। भारत के विदेश मंत्रालय ने 17 दिसंबर को ढाका में भारतीय उच्चायोग के आसपास सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए उच्चायुक्त एम रियाज हामिदुल्लाह को तलब किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि उस बैठक के बाद विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में इंकलाब मंच के संयोजक शरीफ उस्मान हादी पर हमला करने वाले हमलावरों को भाग कर भारत जाने से रोकने के लिए भारत से सहयोग मांगा गया था। बांग्लादेश ने अनुरोध किया कि यदि आरोपी भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने में सफल हो जाते हैं।

नीदरलैंड में परेड देखने खड़े लोगों की भीड़ में घुसी कार, नौ लोग घायल

द हेग, भाषा। नीदरलैंड के एक कस्बे में परेड देखने के लिए इंतजार कर रही लोगों की भीड़ में एक कार के घुस जाने से नौ लोग घायल हो गए जिनमें से कम से कम तीन गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। गेल्डरलैंड प्रांत की पुलिस ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह घटना प्रथमदृष्टया जानबूझकर की गई प्रतीत नहीं होती लेकिन मामले की जांच की जा रही है। एम्स्टर्डम से लगभग 80 किलोमीटर (50 मील) पूर्व में स्थित नुनस्पेट शहर में लोग क्रिसमस की रोशनी से सजे वाहनों की परेड देखने के लिए खड़े थे। पास की एल्बर्ग नगर पालिका ने सोशल मीडिया पर बताया कि घटना के बाद परेड रोक दी गई।

सूडान के प्रधानमंत्री ने पेश की शांति योजना अमेरिका ने मानवीय संघर्षविराम का आग्रह किया

» **संयुक्त राष्ट्र, भाषा।**

सूडान के प्रधानमंत्री ने प्रतिद्वंद्वी अर्धसैनिक बल के साथ लगभग 1,000 दिनों से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए सोमवार को एक शांति पहल का प्रस्ताव रखा लेकिन अमेरिका ने दोनों पक्षों से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के तत्काल मानवीय संघर्षविराम के आह्वान को स्वीकार करने का आग्रह किया। सूडान की असैन्य सरकार का नेतृत्व कर रहे कामिल इदरीस ने सुरक्षा परिषद को बताया कि उनकी योजना में संयुक्त राष्ट्र, अफ्रीकी संघ और अरब लीग की निगरानी में संघर्षविराम, अर्धसैनिक बलों की उनके कब्जे वाले सभी इलाकों से वापसी, उन्हें निगरानी वाले शिविरों में रखा जाना और उनका निरस्त्रीकरण शामिल है। अप्रैल 2023 में सूडान में उस समय अराजकता पैदा हो गई थी जब सेना और शक्तिशाली अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के बीच सत्ता संघर्ष खुली लड़ाई में बदल गया।

इस दौरान बड़े पैमाने पर हत्या एवं बलात्कार की घटनाएं हुई तथा जातीय आधार पर हिंसा हुई। संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समूहों के अनुसार यह युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराध की श्रेणी में आता है। यह असंभव प्रतीत होता है कि रैपिड सपोर्ट फोर्सेज प्रधानमंत्री के इस प्रस्ताव का समर्थन करेगी क्योंकि इस प्रस्ताव से सरकारी बलों को मूलतः जीत मिल जाएगी और अर्धसैनिक बलों की सैन्य शक्ति समाप्त हो जाएगी। अमेरिका और प्रमुख मध्यस्थों सऊदी अरब, मिस्र और संयुक्त अरब अमीरात द्वारा समर्थित संघर्षविराम समझौता का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए इदरीस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से कहा कि सरकार का प्रस्ताव स्वदेशी है- यह हम पर थोपा हुआ नहीं है। इदरीस से पहले परिषद को संबोधित करते हुए अमेरिका के उप राजदूत जेफ्री बार्टोस ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने आगे बढ़ने के रास्ते के रूप में एक मानवीय संघर्षविराम समझौते की पेशकश की है और हम दोनों पक्षों से आग्रह करते हैं कि वे बिना किसी शर्त के इस योजना को तुरंत स्वीकार करें। बार्टोस ने कहा कि ट्रंप प्रशासन दारफूर और कोर्दोफान क्षेत्र में जारी भीषण हिंसा तथा सूडानी सशस्त्र बलों तथा रैपिड सपोर्ट फोर्सेज दोनों द्वारा किए गए अत्याचारों की कड़े शब्दों में निंदा करता है और इसके लिए उन्हें जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार सूडान में जारी युद्ध में 40,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, लेकिन सहायता समूहों का कहना है कि वास्तविक संख्या इससे कई गुना अधिक हो सकती है।

अमेरिका के नेतृत्व वाली शांति वार्ता में काफी ठोस प्रगति हुई: जेलेंस्की

कीव, भाषा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को कहा कि यूक्रेन और रूस के बीच शांति समझौते के लिए अमेरिका द्वारा पेश किए गए शुरुआती मसौदे कीव की कई मांगों को पूरा करते हैं। जेलेंस्की ने हालांकि संकेत दिया कि लगभग चार साल से जारी इस युद्ध को समाप्त करने के लिए होने वाली वार्ताओं में दोनों पक्षों की सभी इच्छाएं पूरी होने की संभावना कम ही है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने समझौते की कोशिश कर रहे अमेरिकी अधिकारियों के साथ हुई हालिया बातचीत के बारे में कहा, कुल मिलाकर, इस चरण में काफी ठोस प्रगति नजर आ रही है। जेलेंस्की ने कीव में संवाददाताओं से कहा, कुछ बातें ऐसी हैं जिनके लिए हम शायद अभी तैयार नहीं हैं और मुझे यकीन है कि कुछ बातें ऐसी होंगी जिनके लिए रूसी भी तैयार नहीं हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पिछले कई महीनों से शांति समझौता कराने की कोशिशों में जुटे हैं लेकिन रूस और यूक्रेन की परस्पर विरोधाभासी मांगों के कारण वार्ताएं अटक गई हैं। अमेरिका के दूत स्टीव विटकॉफ ने हालांकि रविवार को कहा था कि उन्होंने फ्लोरिडा में यूक्रेनी और यूरोपीय प्रतिनिधियों के साथ उपयोगी और सार्थक बातचीत की। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन की लगभग 90 प्रतिशत मांगें मसौदा समझौतों में शामिल कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित समझौते का आधार 20 बिंदुओं की एक योजना है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा, यूक्रेन, यूरोपीय देशों और अमेरिका के बीच सुरक्षा गारंटियों से संबंधित एक रूपरेखा दस्तावेज भी है।

भारत ने किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से लगातार इनकार किया

ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध होने से रोकने का दावा दोहराया

» **न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, भाषा।**

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष को सुलझाने के अपने दावे को दोहराते हुए कहा कि इस्लामाबाद के नेतृत्व ने लाखों लोगों की जान बचाने का श्रेय उन्हें दिया है। ट्रंप ने सोमवार को कहा, हमने पाकिस्तान और भारत के बीच परमाणु युद्ध होने से रोक दिया। पाकिस्तान के मुखिया एवं एक अत्यंत सम्मानित जनरल, जो फील्ड मार्शल भी हैं, उन्होंने और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने भी कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने एक करोड़ लोगों की जान बचाई, शायद उससे भी ज़्यादा। उन्होंने ये टिप्पणियां फ्लोरिडा के मार-ए-लागो में रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ, नौसेना सचिव जॉन फेलन और विदेश मंत्री मार्को रुबियो की मौजूदगी में कीं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, आप जानते हैं, आठ विमान मार गिराए गए थे। वह युद्ध और तेज होने वाला था और उन्होंने हाल ही में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने एक करोड़ लोगों की जान बचाई, शायद उससे भी ज़्यादा। इसलिए हमने ये सभी युद्ध सुलझा दिए। एकमात्र युद्ध जिसे मैं अभी तक सुलझा नहीं पाया हूं, वह रूस-यूक्रेन का है। ट्रंप ने 10 मई को सोशल मीडिया पर यह घोषणा की थी कि अमेरिका की मध्यस्थता में देर रात तक चली बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल संघर्षविराम पर सहमत हो गए हैं। इसके बाद से वह 60 से अधिक बार यह दावा दोहरा चुके हैं कि उन्होंने दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव कम करने में मदद की। भारत ने किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से लगातार इनकार किया है। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले के जवाब में सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचे को निशाना बनाया गया था। पहलगाम हमले में 26 लोग मोर गए थे। ऑपरेशन सिंदूर के बाद चार दिनों तक सीमा पर तीव्र ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद 10 मई को भारत और पाकिस्तान के

ट्रंप प्रशासन ने हथियार कानूनों को लेकर डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया पर मुकदमा दायर किया

वॉशिंगटन, भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन ने वाशिंगटन, डी.सी. (डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया) की स्थानीय सरकार पर उसके हथियार कानूनों को लेकर मुकदमा दायर कर आरोप लगाए हैं कि कुछ अर्धस्वचालित हथियारों पर प्रतिबंध लगाया जाना संविधान के दूसरे संशोधन के तहत अधिकारों का उल्लंघन है। अमेरिकी न्याय मंत्रालय ने सोमवार को डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया में अमेरिकी जिला अदालत में यह मुकदमा दायर किया, जिसमें वाशिंगटन के मेट्रोपोलिटन पुलिस विभाग और निवर्तमान पुलिस प्रमुख पामेला स्मिथ को प्रतिवादी बनाया गया है। न्याय मंत्रालय ने कहा, अमेरिका यह मुकदमा उन अधिकारों की रक्षा के लिए दायर कर रहा है जिन्हें प्रदान करने की 234 वर्षों से गारंटी है और जिनकी उच्चतम न्यायालय ने पिछले दो दशकों में कई बार स्पष्ट रूप से पुनः पुष्टि की है। इस महीने प्रशासन द्वारा दायर यह ऐसा दूसरा मुकदमा है। न्याय मंत्रालय ने यूएस वर्जिन द्वीपसमूह के खिलाफ भी इसी प्रकार के मामले में मुकदमा दायर किया है। न्याय मंत्रालय का कहना है कि डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया एआर-15 और अन्य अर्धस्वचालित हथियारों पर असंवैधानिक प्रतिबंध लगा रहा है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886